डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

# आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -127 | प्रयागराज ,बुधवार,26,जुलाई, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

## संक्षिप्त समाचार

### वायुसेना चाहती है राफेल में लगें स्वदेशी 'अस्त्र'

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** भारतीय वायुसेना ने फ्रेंच कंपनी दासौ एविएशन से युद्धक विमान राफेल में 'अस्त्र' मिसाइल जैसे स्वदेशी हथियार लगाने के लिए कहा है। यह कदम नासिर्फ रक्षा क्षेत्र में "मेक इन इंडिया' की दिशा में बड़ा कदम होगा बल्कि इससे भारतीय हथियारों के लिए वैश्विक बाजार भी खुल जाएगा। भारत के पास

फिलहाल 36 राफेल युद्धक विमान हैं और नौसेना के लिए अन्य 26 राफेल खरीदने के लिए बातचीत शुरू हो गई है। वायुसेना के सर्वोच्च अधिकारी युद्धकाल के लिए स्वदेशी समाधान का दबाव डाल रहे हैं। संघर्ष के समय में हथियारों के मामले में आत्मनिर्भरता एक बड़ी भूमिका निभाएगी। चीन से तनातनी के समय खरीदे गए हथियारों को अब स्वदेशी रूपांतरण की राह पर ले लिया गया है। दरअसल, राफेल युद्धक विमानों का इस्तेमाल भारत समेत कई देश जैसे फ्रांस, मिस्त्र, कतर आदि करते हैं। जबकि ग्रीस, क्रोएशिया, यूएई और इंडोनेशिया आदि देशों ने राफेल युद्धक विमानों के लिए आर्डर दिया है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायुसेना ने राफेल के मूल निर्माता दासौ एविएशन को फ्रेंच युद्धक विमान में भारत में निर्मित हथियारों जैसे 'स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन' (एसएएडब्ल्यू) और हवा से हवा में मार करने वाले अस्त्र मिसाइल को लगाने को कहा है। अस्त्र मिसाइल सौ किमी के दायरे में लक्ष्य भेदने में सक्षम है। लेकिन जल्द ही इसकी क्षमता 'अस्त्र मार्क-2' में बढ़ाकर 160 किमी कर दी जाएगी। इसके बाद के अपग्रेड वर्जन में अस्त्र की मारक क्षमता 300 किलोमीटर तक होगी। इसी तरह, 'स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन' (एसएएडब्ल्यू) भी 100 किमी की दूरी तक मार कर सकता है। इतना ही नहीं, राफेल में निकट भविष्य में डीआरडीओ के विकसित मिसाइलों और बमों से भी वायुसेना राफेल को लैस करना चाहती है।

## मणिपुर मुद्दे पर आज फिर संसद में विपक्ष के हंगामे के आसार सरकार बोली- हम चर्चा को तैयार

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** संसद के मानसून सत्र का आज तीसरा दिन है। सत्र के दो दिन मणिपुर हिंसा को लेकर हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद आज फिर विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी में होगा। विपक्ष शुरुआत से पीएम मोदी के दोनों सदनों में बयान देने की मांग पर अड़ा है, वहीं सरकार मामले में चर्चा करने की अपील कर रही है। इस बीच आज विपक्ष ने सदन के बाहर गांधी प्रतिमा के आगे विरोध जताने का फैसला किया है।

## धमकी के बाद मिजोरम से शुरू हुआ मैइती समुदाय का पलायन, 41 लोग पहुंचे असम

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**गुवाहाटी।** मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न घुमाने के वायरल वीडियो के बाद मिजोरम में मैइती समुदाय को राज्य छोड़ने के लिए कहा गया है, जिसके बाद मैइती समुदाय के 41 लोग मिजोरम से असम पहुंचे हैं। मिजोरम के पूर्व उग्रवादियों के समूह ने उन्हें राज्य छोड़ने की चेतावनी दी है। कछार के पुलिस अधीक्षक नुमल महत्ता ने कहा कि ये लोग शनिवार रात पड़ोसी राज्य मिजोरम से सिलचर पहुंचे थे, जिसके बाद उन्हें बिन्नाकांडी क्षेत्र में लखीपुर विकास खंड के भवन में ठहराया गया है। उन्होंने बताया कि ये सभी संपन्न परिवार हैं और वे अपने वाहनों से आए हैं। कुछ कॉलेज के प्रोफेसर हैं, जबकि कुछ वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के तौर पर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि मिजोरम में अब तक कोई हमला नहीं हुआ है। जान जोखिम में नहीं डालना चाहता है मैइती समुदाय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मिजोरम सरकार उन्हें सभी सुरक्षा प्रदान कर रही है, लेकिन वे खुद कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं और अपनी सुरक्षा के लिए असम आए हैं। उन्होंने कहा कि वे कह रहे हैं कि स्थिति सामान्य होने तक वे यहीं रहेंगे। असम पुलिस उन्हें सुरक्षा प्रदान कर रही है।इधर, मिजोरम सरकार ने शनिवार को राज्य में रहने वाले मैइती समुदाय को सुरक्षा का आश्वासन दिया। राज्य सरकार ने उनसे अफवाहों पर ध्यान न देने को कहा है। सरकार का यह आश्वासन मिजोरम के एक पूर्व-उग्रवादियों के संगठन की चेतावनी के बाद आया है। मिजोरम में बढ़ाई गई सुरक्षा मिजोरम पुलिस ने कहा कि बढ़ते तनाव के बीच शनिवार को कई मैइती लोग अपने गृह राज्यों के लिए रवाना हो गए। उन्होंने कहा कि कुछ हजार मैइती लोग मणिपुर और दक्षिण असम से हैं, जो मिजोरम में रहते हैं। इसके साथ ही मिजोरम में कई संगठनों ने मंगलवार को राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन करने का एलान किया है, जिसे लेकर राज्य में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने कहा कि पूरे राज्य में सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रख रहे हैं।

## सरकार अल्पसंख्यक समुदायों को प्रदान करेगी एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**हैदराबाद।** तेलंगाना सरकार ने रविवार को अल्पसंख्यक समुदायों को 100 प्रतिशत सब्सिडी के साथ 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के आदेश जारी किए। वित्तीय सहायता एकमुश्त अनुदान होगी जो एक परिवार के केवल एक सदस्य को प्रदान की जाएगी। आवेदकों के लिए निर्धारित व्यक्तिगत आयु सीमा 2 जून 2023 को 21 वर्ष से 55 वर्ष तक है। आवेदक की वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्रों में ?1.5 लाख और शहरी क्षेत्रों में 2 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार सभी अल्पसंख्यक समुदायों के विकास और कल्याण

के लिए प्रतिबद्ध है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के अल्पसंख्यकों को वित्तीय मदद देने के फैसले ने देश में अल्पसंख्यक समुदायों की आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित किया है। आदेश के अनुसार, वित्तीय सहायता एकमुश्त अनुदान होगी जो एक परिवार के केवल एक सदस्य को प्रदान की जाएगी। आवेदकों के लिए निर्धारित व्यक्तिगत आयु सीमा 2 जून 2023 को 21 वर्ष से 55 वर्ष तक है। आवेदक की वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्रों में 1.5 लाख और शहरी क्षेत्रों में 2 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए।

## अब दो बच्चों और पति को छोड़कर पाकिस्तान पहुंचीं अंजू

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** अपने प्यार को पाने के लिए सीमा पार करना ट्रेंड बनते जा रहा है। पाकिस्तान की सीमा हैदर के बाद अब इसी तरह का एक और मामला सामने आया है। भारत की अंजू अपने प्यार के लिए बताए पाकिस्तान पहुंच गई। अंजू के पति ने बताया कि वो अपने मायके नहीं जाती थी। वो जयपुर जाने की बात कहकर गई थी, लेकिन लाहौर पहुंचने के बाद उसने वीडियो कॉल किया और बताया की वो पाकिस्तान पहुंच

पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा में पहुंच गई है। दोनों के बीच चार साल पहले सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई थी। 34 साल की अंजू पहले से शादीशुदा है और वह राजस्थान के अलवर जिले में रहती थीं। इस पूरे मामले पर अंजू के पति का कहना है कि वो किसी के संपर्क में थी, उसे इस बात की जानकारी नहीं थी। वो विदेश में नौकरी करना चाहती थी, इसलिए 2020 में उसने पासपोर्ट के लिए अप्लाई किया था। अंजू के पति ने बताया कि उनके दो बच्चे हैं। वो दोनों बच्चों को छोड़कर उसे बिना गई है। अंजू के पति ने उससे वापस लौटने की अपील की है अंजू मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कैलोर गांव की रहने वाली हैं और उसका प्रेमी नसरुल्लाह खैबर-पख्तूनख्वा का रहने वाला है। दोनों चार साल से सोशल मीडिया के जरिए एक दूसरे से बातचीत कर रहे थे। लेकिन हाल ही में अंजू एक महीने की विजिट वीजा लेकर अपने प्रेमी से मिलने पाकिस्तान पहुंच गई। विजिट वीजा लेकर पाकिस्तान पहुंचीं अंज पाक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अंजू अपने प्रेमी नसरुल्लाह के घर पर है।

## केरल के इन इलाकों में ऑरेंज अलर्ट जारी होने के बाद संस्थानों में घोषित हुई छुट्टी

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**कोच्चि।** मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट के बाद केरल के कन्नूर,

कोझिकोड और वायनाड जिलों के सभी शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। मौसम विभाग ने गए रविवार को कन्नूर, कोझिकोड, वायनाड और कासरकोड के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया, जबकि अलाप्पुझा, कोट्टायम, एर्नाकुलम, इडुक्की, पलक्कड़, त्रिशूर और मलप्पुरम के इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया। मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट के बाद केरल के कन्नूर कोझिकोड और वायनाड जिलों के सभी शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। मौसम विभाग ने गए रविवार को कन्नूर कोझिकोड वायनाड और कासरकोड के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। एक बयान के अनुसार हालांकि कन्नूर विश्वविद्यालय पीएससी परीक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। एक बयान के अनुसार, हालांकि कन्नूर विश्वविद्यालय पीएससी परीक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिनांक 8 जुलाई को, केरल और लक्षद्वीप के कई हिस्सों में भारी बारिश देखी गई।

## चुराचांदपुर जिले में बदमाशों ने महिलाओं को बनाया अपना ढाल

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**इंफाल।** मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के तोरबुंग बाजार इलाके में बदमाशों ने कम से कम 10 खाली घरों और एक स्कूल को जला दिया। सभी बदमाश हथियारों से लैस थे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि शनिवार शाम को हुए हमले के दौरान बदमाशों ने सैकड़ों महिलाओं को अपना ढाल बनाया था। उन्होंने कहा कि सैकड़ों महिलाओं के नेतृत्व में भीड़ ने कई राउंड फायरिंग की और बम भी फेंके घरों व स्कूल को जलाया पुलिस ने बताया कि टोरबंग बाजार स्थित चिल्ड्रेन ट्रेजर हाई स्कूल को जला दिया गया। उन्होंने कहा कि हमने बदमाशों पर इसलिए गोलीबारी नहीं किया, क्योंकि बदमाशों ने महिलाओं को अपना ढाल बनाया था और भीड़ का नेतृत्व महिलाएं कर रही थीं।उन्होंने कहा कि बाद में भीड़ ने बीएसएफ के एक कैस्पर वाहन भी छीनने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बल और क्षेत्र में तैनात स्थानीय स्वयंसेवकों की जवाबी कार्रवाई की वजह से कामयाब नहीं हो सका।

## साउथ के एक्टर सूर्या के 2 फैंस की करंट लगने से मौत, जन्मदिन के अवसर पर लगा रहे थे बैनरपलनाडु

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**आंध्र प्रदेश।** टॉलीवुड अभिनेता सूर्या के दो फैंस की रविवार को बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। दरअसल, साउथ के एक्टर का 23 जुलाई को जन्मदिन था और

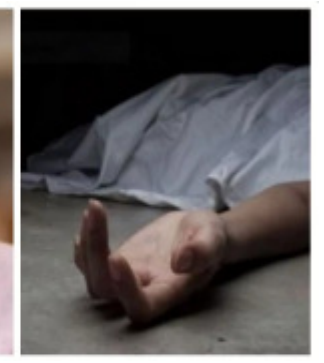

इसी अवसर पर पालनाडु जिले के मोपुलावरिपलेम गांव में नरसरावपेट मंडल के नक्का वेंकटेश और पोलुरी साई उनके बैनर लगा रहे थे। इसी बीच दोनों को बिजली का झटका लगा और मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, दोनों एक्टर सूर्या का बैनर लगाने की कोशिश कर रहे थे, तभी करंट की चपेट में आ गए। पुलिस के अनुसार, यह घटना तब हुई जब फ्लेक्सी की एक लोहे की छड़ ओवरहेड बिजली के तार के संपर्क में आ गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दोनों मृतक नरसरावपेट के एक निजी डिग्री कॉलेज में में पढ़ रहे थे। शवों को नरसरावपेट सरकारी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पोलुरी साई की बहन अनन्या ने अपने भाई की मौत के लिए कॉलेज को जिम्मेदार ठहराया है। बहन ने कॉलेज पर आरोप लगाते हुए कहा, 'मेरे भाई की मौत के लिए कॉलेज जिम्मेदार है। हम कॉलेज को बहुत सारी फीस दे रहे हैं। कॉलेज में शामिल होने से पहले उन्होंने हमें आश्वासन दिया था कि छात्रों की सुरक्षा और निगरानी की जाएगी। लेकिन, कॉलेज छात्रावास में छात्रों की सुरक्षा और निगरानी नहीं कर रहा है। हम दिहाड़ी मजदूर हैं। हम कॉलेज की फीस भरने के लिए बहुत संघर्ष करते हैं,यह एक भयानक घटना है।

## आंध्र प्रदेश में लगेगी भगवान श्रीराम की 108 फीट ऊंची प्रतिमा

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** आंध्र प्रदेश के कुरनूल में भगवान श्रीराम की 108 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इस पर 500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आने का अनुमान है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को वर्चुअली कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस प्रतिमा का शिलान्यास किया। अमित शाह ने कहा कि मंत्रालयम गांव राघवेंद्र स्वामी के मंदिर के लिए बहुत प्रसिद्ध है। साथ ही इस स्थान का ऐतिहासिक महत्व भी है। इसी तुंगभद्रा के किनारे महान विजय नगर साम्राज्य का उद्भव हुआ था जिसने आक्रांताओं को खदेड़ कर स्वधर्म को पुनर्स्थापित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में कई वर्षों से लंबित श्रीराम मंदिर का शिलान्यास कर उसके निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है। इस अवसर पर अपने

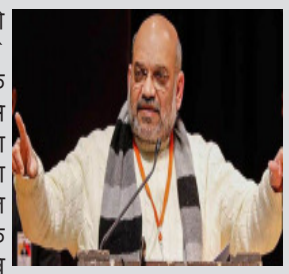

संबोधन में शाह ने कहा कि प्रभु श्रीराम की यह प्रतिमा युगों-युगों तक समग्र दुनिया को हमारे सनातन धर्म का संदेश देगी और वैष्णव परंपरा को देश और दुनिया में मजबूत करेगी। शाह ने कहा कि 108 हमारी हिंदू संस्कृति में बहुत ही पवित्र संख्या है। शाह ने कहा कि तुंगभद्रा नदी के किनारे मंत्रालयम गांव के 10 एकड़ क्षेत्र में फैली यह परियोजना ढाई साल में पूरी होगी। अमित शाह ने कहा कि मंत्रालयम गांव राघवेंद्र स्वामी के मंदिर के लिए बहुत प्रसिद्ध है। साथ ही इस स्थान का ऐतिहासिक महत्व भी है। इसी तुंगभद्रा के किनारे महान विजय नगर साम्राज्य का उद्भव हुआ था, जिसने आक्रांताओं को खदेड़ कर स्वधर्म को पुनर्स्थापित किया। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में कई वर्षों से लंबित श्रीराम मंदिर का शिलान्यास कर उसके निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है।

## दिल दहला देने वाले हैं किसी भी राज्य में महिलाओं पर अत्याचार

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** मणिपुर और अन्य राज्यों में महिलाओं के खिलाफ हुई

हिंसा एवं दुर्व्यवहार पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को कहा कि किसी भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार दिल दहला देने वाला है। इस प्रकार की घटना पर किसी भी पार्टी को राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटना पर राज्य को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और ऐसे अपराधों को कम करना चाहिए। मणिपुर और अन्य राज्यों में महिलाओं के खिलाफ हुई हिंसा एवं दुर्व्यवहार पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को कहा कि किसी भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार दिल दहला देने वाला है। इस प्रकार की घटना पर राज्य को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और ऐसे अपराधों को कम करना चाहिए। उन्होंने इस दौरान विपक्ष से कहा कि वह चर्चा से न भागें और इस प्रकार के मुद्दों का राजनीतिकरण ना करें। उन्होंने कहा, ठमैं विपक्ष से अनुरोध करूंगा कि वे चर्चा से न भागें। विपक्ष को ऐसे संवेदनशील मुद्दों का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए।ठ ठाकुर ने महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने पालघर में साधुओं की नृशंस हत्या पर चर्चा नहीं करने के लिए उनकी निंदा की।

### 25 जुलाई तक रद्द कीं सभी उड़ानें, 3 मई को बंद किया था संचालन

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** आर्थिक संकट का सामना कर रही गो फर्स्ट एयरलाइन ने अपने संचालन को 25 जुलाई 2023 तक स्थगित करने का फैसला किया है। कंपनी ने रविवार देर रात एक नोटिस जारी कर इसकी जानकारी दी है। मालूम हो कि कंपनी ने इससे पहले अपने संचालन को 22 जून, 2023 तक के लिए स्थगित कर दिया था। आर्थिक संकट का सामना कर रही गो फर्स्ट एयरलाइन ने अपने संचालन को 25 जुलाई 2023 तक स्थगित करने का फैसला किया है। कंपनी ने एक नोटिस जारी कर इसकी जानकारी दी है। मालूम हो कि कंपनी ने इससे पहले अपने संचालन को 22 जून 2023 तक के लिए स्थगित कर दिया था। मालूम हो कि कंपनी ने तीन मई को अपनी संचालन को बंद कर दिया था। मालूम हो कि मई की शुरुआत में कैश की कमी के चलते एयरलाइन ने 3 मई को अपना संचालन पूरी तरह से बंद कर दिया था। इसके बाद से कंपनी दिवालिया प्रक्रिया में चली गई, जिसके चलते कंपनी दोबारा से उड़ान शुरू नहीं कर पाई है। कंपनी की ओर से हाल ही में एक नोटिस जारी किया गया था।

## इंफाल हवाईअड्डे पर सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाने के लिए एचएइ गृह मंत्रालय से कर रही बात

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** देश भर में सार्वजनिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करने वाली केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल राज्य बातचीत कर रही है। सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूदा स्थिति का जायजा लेने और मानक संचालन प्रक्रियाओं

में जारी अशांति के बीच मणिपुर के इंफाल हवाई अड्डे पर तैनात सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाने के लिए मंत्रालय (गृह मंत्रालय) के साथ बातचीत कर रही है। हवाईअड्डे के एक शीर्ष अधिकारी ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि, सीआईएसएफ मौजूदा हिंसा और अशांति के मद्देनजर इंफाल हवाईअड्डे पर कर्मियों की संख्या बढ़ाने के लिए गृह मंत्रालय के साथ (एसओपी) और अन्य गतिविधियों का आकलन करने के लिए इंफाल हवाई अड्डे का नियमित दौरा कर रहे हैं। हवाईअड्डे पर सीआईएसएफ कर्मियों की वर्तमान संख्या और स्थिति के अनुसार कितने और कर्मियों की आवश्यकता है, इस सवाल पर सीआईएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम आम तौर पर सुरक्षा कारणों से अपने कर्मियों की संख्या साझा नहीं करते हैं और मुख्यालय से संपर्क करना ही बेहतर है। शनिवार को बड़े पैमाने पर हुआ प्रदर्शन इससे पहले, शनिवार को इंफाल हवाई अड्डे के पास मणिपुर हिंसा के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया गया था, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों को प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागने पड़े। विरोध को देखते हुए हवाई अड्डे के पास शांति बनाए रखने के लिए मणिपुर सशस्त्र पुलिस और रैपिड एक्शन बटालियन के जवानों को तैनात किया गया है।

# राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने आजाद जयंती पर किया पौधरोपण

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

प्रतापगढ़।शनिवार हेमवती नंदन बहुगुणा पी जी कालेज लालगंज प्रतापगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने चन्द्रशेखर आजाद की जयंती पर पौधा रोपण किया। प्राचार्य प्रो पद्मे सार शैलेन्द्र कुमार मिश्र के निर्देशानुसार बृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया।स्वयंसेवकों

ने रैली निकालकर सभी लोगो को पौधा लगाने हेतु प्रेरित किया।स्वयंसेवकों ने 200पौधे रोपित किये। पौध रोपण कार्य को सफल बनाने में प्रोफेसर आलोक दुबे, प्रोफेसर ऋचा सुकुमार पांडे, डॉ सीमा त्रिपाठी, डॉ संतोष मिश्र,डॉ0 शैलेन्द्र सरोज,डॉ0अभिषेक पांडे , बड़े बाबू मयंक सिंह,अरविंद मौर्य, रामकृष्ण तिवारी, छोटे दुबे, ओमप्रकाश यादव, सुरेश,मुस्कान बानो, सुधा सरोज,सलोनी वर्मा आदि सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार एवं स्वयं सेवक उपस्थित रहे।यह जानकारी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रमाधिकारी/ जनसूचनाधिकारी डॉ0फणीन्द्र नारायण मिश्र ने दी।

# ऐतिहासिक फैसला लेने के साथ पूरे देश के सामने नजीर पेश की

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**प्रयागराज।** प्रयागराज नगर निगम सदन ने रविवार को एक ऐतिहासिक फैसला लेने के साथ पूरे देश के सामने नजीर पेश की। सदन की बैठक में जीआईएस सर्वे को निरस्त करने के साथ स्व गृहकर मूल्यांकन व्यवस्था लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। इस फैसले से बढ़े गृहकर से परेशान. 93 हजार शहरियों को राहत मिलेगी। इसी के साथ इंस्पेक्टर राज का भी खात्मा होगा। हालांकि, शहरियों को हलफनामा भी देना होगा और इसमें गलत जानकारी देने वालों को जुर्माने का भागी भी बनना होगा ।

# पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के बिलिंग सॉफ्टवेयर उच्चीकरण

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**प्रयागराज।** पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के बिलिंग सॉफ्टवेयर उच्चीकरण कार्य की वजह से प्रयागराज मंडल के चारों जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में ऑनलाइन बिलिंग पोर्टल सोमवार 24 जुलाई से सात अगस्त तक बाधित रहेंगे। इस दौरान बिलिंग व बिल संशोधन जैसे कार्य नहीं हो सकेंगे, जबकि बिल भुगतान, मीटर बदलने व बिजली कनेक्शन संबंधित कार्य होते रहेंगे।

# रिश्वत के आरोप में गोंडा मेडिकल कॉलेज के दो एक्सरे टेक्नीशियन निलंबित

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**लखनऊ।** 24 जुलाई गोंडा मेडिकल कॉलेज के दो एक्सरे टेक्नीशियनों को निलंबित कर दिया गया है। सोशल मीडिया में रिश्वत लेते उनका एक वीडियो वायरल हुआ था। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए दोनों आरोपी एक्सरे टेक्नीशियन को निलंबित करने के आदेश दिए। सोमवार को दोनों के निलंबन का आदेश जारी कर दिया गया। गोंडा के बाबू ईश्वर शरण जिला चिकित्सालय में एक्सरे टेक्नीशियन अशोक कुमार सिंह और अमित पांडेय तैनात थे। बीते दिनों धनउगाही का एक वीडियो वायरल हुआ। इसका डिप्टी सीएम ने संज्ञान लिया। दोनों पर कार्रवाई की संस्तुति की। डिप्टी सीएम के हस्तक्षेप के बाद कॉलेज प्रशासन हरकत में आया। दोनों को निलंबित कर दिया गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि मरीजों से उगाही किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस तरह की घटनाओं से विभाग की छवि धूमिल हो रही है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने फिरोजाबाद में आईफ्लू के मामले सामने आने के बाद सतर्कता बरतने के आदेश दिए हैं। उन्होंने सीएमओ से कहा कि सभी अस्पतालों को अलर्ट जारी कर दिया जाए। सभी मरीजों को बेहतर व निःशुल्क इलाज मुहैया कराया जाए। उधर, डिप्टी सीएम ने बदायूँ स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज में चूहों से निपटने के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि चूहों से वार्ड व आईसीयू-वेंटिलेटर यूनिट में बचाव के इंतजाम किए जाएं। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाए। तीन दिन में चूहों से निपटने के क्या इंतजाम किए गए। इसकी पूरी रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए।

# प्रयागराज करछना में शार्ट सर्किट से तीन कच्चे मकानों में लगी आग, गृहस्थी

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**प्रयागराज।** यमुनानगर के करछना थाना क्षेत्र के हथसरा पूरा टिकुरी गांव में शार्ट सर्किट से कच्चे मकान में आग लग जाने से तीन घरों की गृहस्थी जलकर राख हो गई। आग लगने पर ग्रामीणों की भारी भीड़ लगी और आग बुझाने में जुट गए। इसी बीच ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची फायरब्रिग्रेड ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, तब तक सबकुछ जल गया। जिससे गरीब परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया। मिली जानकारी के अनुसार करछना थाना क्षेत्र के हथसरा पूरा टिकुरी गांव निवासी ननकू राम खेती किसानी करते हैं। सोमवार तड़के सभी लोग घर में सो रहे थे, तभी उनके घर से आग की लपटें उठने लगीं। परिवार के लोगों ने आग लपटें देखी तो शोर मचाया शोर सुनकर गांव घर के लोग जुटे। लेकिन तब तक आग ने पूरे कच्चे मकान को

अपनी चपेट में ले लिया था। ननकू के साथ ही उनके पड़ोसी राम भजन पटेल और बच्च राम पटेल के मकान को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों द्वारा फायर बिग्रेड की टीम को सूचना दी गई। ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले आग पर काबू पा लिया था, लेकिन तब तक सब जलकर राख हो चुका था,जिसके चलते तीन घरों की घर गृहस्थी का सामान, कपड़ा, बर्तन, चारपाई, बिस्तर, अनाज सहित सब खाक हो गया। तीनों घरों से करीब 25 हजार रुपए भी जल गए। पीड़ित परिवारों के पास रहने के लिए एक अदद छप्पर भी नहीं बचा। प्रधान शिव गणेश पटेल पीड़ित परिवारों को खाने का प्रबंध कराया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीड़ित परिवारों की वह पूरी मदद करेंगे। घटना की जानकारी संबंधित हल्का लेखपाल एवं तहसीलदार करछना को दे दी गई है। थाना प्रभारी करछना नरेंद्र प्रसाद ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी जिसमें दो तीन घर जल गए हैं। फिलहाल ग्रामीणों व फायरड ने आग पर काबू पाया।

# प्रयागराज ग्राम पंचायत को बना दिया नगर पंचायत, खबर प्रकाशित करने पर पत्रकार को धमका

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**प्रयागराज।** एवं उसके प्रतिनिधि ने बोर्ड लगाकर ग्राम पंचायत को नगर पंचायत बना दिया। जिसकी खबर प्रकाशित करने पर प्रधान के समर्थक ने पत्रकार को धमकी दी है। वहीं मामले में पत्रकार ने पुलिस को तहरीर देने की बात कही। प्रयागराज जनपद के मऊआइमा क्षेत्र के ग्राम पंचायत धीनपुर को प्रधान एवं प्रतिनिधि ने बोर्ड लगाकर ग्राम पंचायत को नगर पंचायत बना दिया। जिसकी खबर प्रकाशित करने पर क्षेत्र के पत्रकार सुरेश मौर्य को प्रधान के एक समर्थक ने धमकी दी है। जिससे पत्रकारों में रोष व्याप्त है। पत्रकार सुरेश मौर्य ने थाना प्रभारी मऊआइमा को तहरीर देने की बात कही। बीडीओ ने कहा उन्हें पता नहीं, प्रधान प्रतिनिधि ने कहा गलती हो गई बता दें कि मऊआइमा विकास खंड के ग्राम सभा धीनपुर हमेशा से चर्चाओं में रहा है। फर्जी मुकदमों की सीबीआई जांच हो अथवा प्रधान पर तमाम तरह के भ्रष्टाचार का मामले की जांच का मामला हो। अब चीनपुर के ग्राम प्रधान ने कूड़ों के डिब्बों एवं कूड़ेदान में ग्राम सभा के स्थान पर धीनपुर नगर पंचायत लिखवा कर नकली टाउन एरिया बना कर अपना पीठ स्वंय थपथपा कर अधिकारियों को धोखा दे रहा है। तथा ग्रामीणों को धोखा देने का आरोप लगा रहे हैं। ताकि ग्रामीण समझे कि प्रधान ने धीनपुर को नगर पंचायत का दर्जा दिलवा दिया। अब ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामसजीवन पटेल ने कूड़ादान, कूड़ों की डिब्बों में नगर पंचायत चीनपुर मऊआइमा लिखवा

कर सभी ग्रामीणों को धोखा दे रहे हैं। नकली नगर पंचायत धीनपुर को बनाए जाने के बाबत जब बीडीओ मऊआइमा उमेश सिंह से पूछा गया तो वह अचम्भित हो गए कहे अभी देखवाते हैं। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामसजीवन पटेल ने कहा कि पेंटर ने लिखने में गलती कर दी है। वह अभी मिटवा रहे है। सवाल यह उठता है कि दर्जभर स्थानों पर नगर पंचायत चीनपुर मऊआइमा लिख गया। प्रधान प्रतिनिधि चुप्पी साधे रहे हैं। बहरहाल इस पूरे प्रकरण की जांच की मांग ग्रामीणों ने अला अधिकारियों से की है दोबारा सुधार कर लिखवाने का खर्च प्रधान प्रतिनिधि के जेब से खर्च हो न कि सरकारी धनराशियों से गौर की बात है कि पूरे ग्राम सभा धीनपुर में कूड़ों के ढेर लगे हैं। नालियां बजबजा रही है। दुर्गन्ध से ग्रामीणों का जीना हराम हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार सोरांव तहसील में केवल दो नगर पंचायत हैं। एक लालगोपालगंज दूसरा मऊआइमा अब नकली नगर पंचायत ग्राम सभा धीनपुर बन गया है। बताते हैं कि धीनपुर के ग्राम प्रधान पुष्पा देवी हैं। उनके ससुर रामसजीवन पटेल प्रधान प्रतिनिधि बन गए है। बताया गया है कि हमेशा ग्राम सभा धीनपुर के प्रधान प्रतिनिधि राम सजीवन पटेल सुर्खियों में रहे हैं। ग्राम समाज की जमीनों को बेचना, विवादित भूमि पर मोबाइल टावर लगा कर हर माह भाडा लेने फर्जी मुकदमा अपने विरोधियों के खिलाफ दर्ज करा कराने पर सीबीआई जांच होना आदि हमेशा विवादों में घिरे रहे हैं।

# शिवमंदिरों में भक्तों की लगी भीड़, हर- हर महादेव के लगे जयकारे

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**प्रयागराज।** प्रयागराज मे सावन के तीसरे और पुरुषोत्तम मास के पहले सोमवार पर मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मनकामेश्वर महादेव मंदिर, सोमेश्वर महादेव, कोटेश्वर महादेव, शिव कचहरी, पहिला महादेव, हनुमत निकेतन शिव मंदिर सहित विभिन्न शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई भांग, धतूरा, दूध, घी, पंचगव्य, पंचामृत, बेलपत्र, पुष्प, दही, चंदन, इत्र आदि से महादेव का विधि विधान से पूजन कर गंगा जल से जलाभिषेक किया गया। सुबह से ही श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे थे।दारागंज स्थित दशाश्वमेध गंगा घाट पर कांवड़ियों का रेला लगा रहा। शिवभक्तों ने गंगा जल भरकर शिवालयों में जलाभिषेक किया। साथ ही बाबा विश्वनाथ धाम को जलाभिषेक के लिए भी कांवड़िए रवाना हुए शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में जहां भव्य सजावट थी। सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम हैं। दशाश्वमेध घाट से जल भरकर बड़ी संख्या में कांवड़िये बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए शिव धामों के लिए रवाना हो रहे हैं। रविवार को दशाश्रमेध घाट कांवडिया भक्तों का हुजूम उमड़ने की वजह से शिवमय हो गया। अरैल स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर में भी भक्तों की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग कराई गई। यहां रविवार रात को ही श्रृंगार झांकी सजाई गई। यमुना तट स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर में सोमवार की भोर चार बजे मंगला आरती के साथ ही आम भक्तों के लिए पट खोल दिए गए। महंत श्रीधरानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि सोमवार को मनकामेश्वर महादेव का रंग-बिरंगे फूलों और हरी पत्तियों से मोहक श्रृंगार किया गया। इसमें रजत के मुखौटे के अलावा मोगरा, गुलाब, रजनीगंधा, बेला के फूलों से बाबा की झांकी सजाई गई। उधर, तक्षक तीर्थ और दारागंज स्थित नागवासुकि में भी जलाभिषेक और दर्शन-पूजन के लिए कतार लगी रही। प्रतापगढ़ के बाबा बेलखरनाथ मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार पर भक्तों की भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने बाबा का जलाभिषेक किया। भारी भीड़ के चलते मंदिर पर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया था। हर हर महादेव और बोल बम के नारों से

वातावरण गुंजायमान रहा। बड़ी संख्या में कांवड़ियों ने भी बाबा का जलाभिषेक किया।सावन माह के तीसरे सोमवार एवं अधिक मास के प्रथम सोमवार को शिव भक्तों ने महेश बाबा शिव मंदिर स्थान पर जलाभिषेक किया। साथ ही शिव भक्तों ने भंडारे का भी आयोजन किया। भंडारे का आयोजन करके श्रद्धालु भक्तों को भगवान शिव का प्रसाद ग्रहण कराया। हर तीसरे वर्ष शिवजी का अतिरिक्त माह मलमास के नाम से आता है उसी मलमास के प्रथम सोमवार को शिव भक्तों ने महेश बाबा स्थान पर जलाभिषेक, रुद्राभिषेक करके भगवान शिव की पूजा की। इसके अलावा जिले के अन्य शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ रही।

# प्रयागराज डीएम के आदेश पर कब्र खोदकर निकाला गया बच्ची का शव, भेजा गया पोस्टमार्टम

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**प्रयागराज।** डीएम प्रयागराज के आदेश पर बालिका के शव को कब्र से खुदवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पूरा मामला सोरांव तहसील के होलागढ़ थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर अकबर पंडित का पूरा गांव का है। उसी गांव के मोतीलाल सरोज पुत्र स्व. जोखू लाल सरोज की 10 वर्षीय पुत्री पुष्पा देवी की विगत दिनों विद्युत विभाग की घोर लापरवाही के चलते दर्दनाक मृत्यु हो गई थी। जहां विद्युत विभाग के अधिकारियों व ग्राम प्रधान आदि के दबाव बस परिजनों ने शव को कुरेशर घाट नवाबगंज थाना क्षेत्र में दफन कर दिया था। न्याय की आस में परिजन जिला अधिकारी प्रयागराज का दरवाजा खटखटाया। जहां से जिलाधिकारी के आदेश पर 24 जुलाई को एसीपी सोराव शैलेंद्र सिंह होलागढ़ थाने के थाना प्रभारी संदीप कुमार के साथ पहुंचकर कुरेश्वर घाट से दफन शव को निकलवाते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एसीपी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब हो कि यदि आज बालिका का शव न खुद वाया जाता तो कुरेश्वर घाट पर बाढ़ का पानी आ जाने से अगले दिन शव खुदवाया जाना मुश्किल ही हो जाता।

# 23 जुलाई संस्कार सेना एवं मिशन स्वस्थ भारत के संयुक्त तत्वाधान में श्रवण कुमार राष्ट्रीय गौरव अवार्ड का गाजियाबाद में भव्य आयोजन

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**प्रयागराज।** यूपी सरकार के अनेक मंत्री पूर्व मंत्री एवं एडीएम पार्षद सहित अनेक गणमान्य हस्तियां हुई सम्मिलित गाजियाबाद स्थित ए एल टी सेंटर के सी के रेड्डी ऑडिटोरियम में माता पिता के प्रति युवा पीढ़ी को आपका संदेश कार्यक्रम अंतर्गत श्रवण कुमार राष्ट्रीय गौरव अवार्ड का एक आयोजन रखा गया अंतराष्ट्रीय संत सद्गुरु स्वामी दयानिधी जी महाराज के आशीर्वाद से यात्रा का नेतृत्व कर रहे हरभजन जांगड़े एवं अलका धुर्वे का विशेष सम्मान किया वही कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा दीप योगा सहित अन्य प्रकार से योगा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लगाए कार्यक्रम का आयोजन मिशन स्वस्थ भारत के संस्थापक डॉ पीके वर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके सेठ संस्कार सेना दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार गर्ग राष्ट्रीय युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुशील कुमार मित्तल सहित उनकी टीम द्वारा रखा गया जिसमें माता पिता के सम्मान वाले 70 लोगों को श्रवण कुमार राष्ट्रीय गौरव अवार्ड से सम्मानित किया अनेकों सामाजिक संगठनों ने भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई इस अवसर पर प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री कैप्टन विकास गुप्ता एमएलडी अशोक कुमार गोयल

पूर्व मंत्री बलदेव राज शर्मा संस्कार सेना एवं मिशन स्वास्थ्य भारत के सलाहकार ओपी अग्रवाल श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर राजयोगी आचार्य ए एलटी सेंटर के महाप्रबंधक नितिन जैन अपर जिला अधिकारी गाजियाबाद गंभीर सिंह भाजपा किसान मोर्चा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मंगू सिंह त्यागी आचार्य पंडित श्री संजीव मिश्रा राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के महासचिव विनोद शर्मा जीएसटी अधिकारी गाजियाबाद श्रीकांत द्विवेदी राष्ट्रीय संयोजक जगदीश मीणा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष हनुमान सहाय सिरसी सचिव मनोज टांक अनुराधा झाला वा मां संस्कार सेना के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष यतेंद्र श्रीवास्तव महिला प्रकोष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर रजनी मालवीय प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती पारस गोस्वामी राष्ट्रीय महासचिव राजेश कुंदरा वेब पोर्टल चैनल वेलफेयर एसोसिएशन राष्ट्रीय महासचिव लियाकत अली दिल्ली प्रदेश महासचिव मोहम्मद आदिल राष्ट्रीय सचिव एडवोकेट ग्रिजेश कुशवाहा रायसेन जिला अध्यक्ष बबलू वर्मा जितेंद्र मालवीय समाज सेविका डॉक्टर रिचा तिरुपाठी डॉ आशुतोष अरोड़ा समाजसेवी तरुण मानव गाजियाबाद दिल्ली राजस्थान मध्य प्रदेश सहित बड़ी संख्या में मिशन स्वास्थ्य भारत एवं संस्कार सेना के पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे सभी अतिथियों ने मिशन स्वास्थ्य भारत एवं संस्कार सेना के इस आयोजन की सराहना की संस्कार सेना के संस्थापक हरभजन जांगड़े ने बताया कि माता पिता हमारे लिए सर्वोपरि है।

# सोनभद्र पुलिस व आबकारी विभाग सोनभद्र द्वारा 01 नफर अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर गिरफ्तार, फर्जी दस्तावेज तैयार कर ले जा रहे 01 अदद DCM ट्रक से 593 पेटी में 5337 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब (अनुमानित कीमत 50 लाख रूपये) बरामद

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**सोनभद्र।** पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा अवैध मादक पदार्थ/शराब तस्करी करने वाले तस्करों के विरुद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी व क्षेत्राधिकारी दुद्धी दद्दन प्रसाद के निर्देशन में एसओजी/सर्विलांस/आबकारी विभाग व थाना बभनी पुलिस की सयुंक्त टीम द्वारा अथक परिश्रम व पूर्ण मनोयोग से आसूचना संजाल तैयार किया गया, आज दिनांक 24.07.2023 को जरिये मुखबीर सूचना मिली कि शराब तस्कर एक अ्ण्श् ट्रक से भारी मात्रा में अवैध शराब की एक बड़ी खेप लेकर म्योरपुर के रास्ते झारखण्ड जा रहा हैं। इस सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए गठित टीम द्वारा आसनडीह अम्बीकापुर मुख्य मार्ग पर छत्तीसगढ़ बार्डर से 01 अदद अ्ण्श् ट्रक संख्या ६-45-ण्-9511 में लोड 593 पेटी में 5337 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब ङ्घ्र्ण्यैंएए ॅंध्ऊॅर्ैं छ्र्र्ंैं्थ्ं ॅथ्र्ं ॅउँघ ॅप्घ्रख्क्ष्ङ्ग (अनुमानित कीमत 50 लाख रुपये) की बरामदगी मय फर्जी दस्तावेज के 01 अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। इस गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना बभनी पर मु0अ0सं0-84/2023 धारा 60/63 आबकारी अधिनियम व धारा 419, 420, 467, 468, 471 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। **पूछताछ का विवरण-** गिरफ्तारशुदा अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि गाड़ी अमृतसर (पंजाब) से विक्रान्त नामक व्यक्ति ने शराब लोड करवाकर संदीप नामक व्यक्ति के माध्यम से दिल्ली तक लाया और मुझे दिल्ली के ख्श्झ् हाइवे पर अ्ण्श् ट्रक माल सहित दी गई तथा मुझे बताया गया कि गाड़ी को झारखण्ड ले जाना है जहां बार्डर पर कुछ लोग मिलेंगे जो 4-5 घण्टे में शराब खाली करके गाड़ी वापस कर देंगे। इस कार्य को करने के लिए मुझे एक चक्कर का 50,000/- रुपये मिलते हैं। **गिरफ्तारशुदा अभियुक्त** 1. रोहित सिंह पुत्र मोहन सिंह, निवासी चमेच, थाना ठेउग जनपद शिमला (हिमांचल प्रदेश ) उम्र लगभग 25 वर्ष। **वांछित अभियुक्तगण-** 01. विक्रान्त पुत्र अज्ञात, पता-अज्ञात। 02. संदीप पुत्र अज्ञात, पता- अज्ञात। **बरामदगी का विवरण-** 1. 593 पेटियों मे कुल 5337 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब (अनुमानित कीमत 50 लाख रूपये) बरामद। 2. एक अदद अ्ण्श् ट्रक संख्या- ६-45-ण्-9511। **गिरफ्तारी / बरामदगी में सम्मिलित पुलिस टीम का विवरणः-** 01. निरीक्षक राजेश सिंह, प्रभारी एसओजी/सर्विलांस सेल, जनपद सोनभद्र। 02. आबकारी निरीक्षक रबिनन्दन, जनपद सोनभद्र मय टीम। 03. थानाध्यक्ष सुरेश चन्द्र द्विवेदी, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र। 04. उप निरीक्षक मेराज खां, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र। 05. हे0का0 अतुल सिंह, हे0का0 शशि प्रताप सिंह, हे0का0 अमर सिंह, का0 रितेश पटेल, हे0का0 सतीश पटेल, का0 अजीत यादव एसओजी टीम, जनपद सोनभद्र। 06. हे0का0 सौरभ राय, हे0का0 प्रकाश सिंह, का0 अमित कुमार सिंह, सर्विलान्स सेल, जनपद सोनभद्र। 07. हे0का0 भरत यादव, हे0का0 अक्षय यादव थाना बभनी, जनपद सोनभद्र।

# परिवार नियोजन का संदेश देने निकले सारथी वाहन

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**नोएडा।** छोटे परिवार के बड़े फायदे का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए सोमवार को सेक्टर 39 स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से दो सारथी वाहन रवाना किये गये। ङ्घपरिवार नियोजन का संदेश देने वाले नारे से अटे सारथी वाहन जनपद के सेक्टरों और ग्रामीण क्षेत्र के मोहल्लों में घूमकर परिवार नियोजन का प्रचार करने को निकले हैं। नोएडा सेक्टर 39 स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से अपर निदेशक स्वास्थ्य डा.अर्चना त्यागी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुनील शर्मा, जिला संयुक्त चिकित्सालय की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. रेनू अग्रवाल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनजीत कुमार ने संयुक्त रूप से सारथी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सारथी वाहनों को आकर्षक बनाने के लिए इन्हें सजाया गया है। इन वाहनों पर लगे पोस्टरों पर परिवार नियोजन संबंधी तमाम जानकारियां लिखी हुईं है। इसमें संदेश दिया गया है कि छोटे परिवार में जिम्मेदारियां कम, खुशिया ज्यादा, खुशियों के अवसर बढ़ जाएंगे, जब परिवार नियोजन अपनाएंगे... आदि। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुनील शर्मा ने बताया- इन दिनों जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा चल रहा है। इसी क्रम में परिवार नियोजन संबंधी जानकारी का प्रचार प्रसार करने के लिए जनपद में सारथी वाहन चलाए गये हैं। परिवार नियोजन और पुरुष नसबंदी के लिए जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने खासतौर पर पुरुषों से अपील की है कि वह आगे आकर नसबंदी अपनाएं और अपने परिवार को खुशहाल बनाएं। उन्होंने कहा - पुरुषों को लगता है कि नसबंदी कराने से कमजोरी आती है, लेकिन यह एकदम निराधार बात है। नसबंदी कराने के बाद पुरुष में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती। पुरुष नसबंदी स्थाई परिवार नियोजन का एकदम सुरक्षित और कारगर उपाय है। यह मामूली सी शल्य क्रिया है और महिला नसबंदी के मुकाबले आसान भी है। इसलिए पुरुषों को भी परिवार नियोजन में बराबर की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनजीत कुमार ने बताया- इस बार विश्व जनसंख्या दिवस की थीम है- हम लें यह संकल्प परिवार नियोजन को बनाएंगे खुशियों का विकल्प। उन्होंने बताया- जनसंख्या स्थिरता अभियान दो चरणों में चलाया जा रहा है। पहला चरण 27 जून से 10 जुलाई तक चला। इसे दंपति संपर्क पखवाड़े के रूप में मनाया गया। इस दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर लक्षित दंपति से संपर्क किया और उनको परिवार नियोजन कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। दूसरा चरण 11 जुलाई से जनसंख्या दिवस के अवसर पर शुरू हुआ।








# महान क्रांतिकारी आदर्श पुरुष चंद्रशेखर आजाद पुत्र जगरानी देवी एवं सीताराम तिवारी को शत शत नमन

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**प्रयागराज।** 1 दिन पहले ही मनाते हैं जयंती। सोशल मीडिया में भी करते हैं प्रचार। आपकी क्या राय है? आप जरूर लिखें, लेकिन उसके पहले आजाद कैसे थे। इसका एक उदाहरण जो किताबों में लिखा है। वह यहां उद्धरण करना चाहता हूं। इसे पढ़ें और आत्म चिंतन करें अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का नाटक शुरू किया गया। यह बात जब कांग्रेस के नेताओं को ( उस समय सिर्फ कांग्रेसी मुख्य पार्टी थी) पता लगी तो विरोध का स्वर, नर्म नेताओं में भी जाग गया। राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन विरोध की अगुवाई करने लगे। वह इसके सख्त खिलाफ थे कि चंद्र शेखर आजाद को लावारिस समझकर चुपचाप फूंक दिया जाए। चंद्रशेखर आजाद उस



बलिदान हो गया था। संचार माध्यम आज की तरह नहीं थे। फिर भी पूरे हिंदुस्तान भर में यह खबर फैल गई। आनन-फानन में अंग्रेज अधिकारियों ने पोस्टमार्टम कराकर चुपचाप अंत्येष्टि कराने की योजना बनाई। डर इस बात का कि कहीं ऐसा ना हो जनता सड़कों पर आ जाए और उस समय जनता की भावनाओं को काबू में न किया जा सके। यह डर अंग्रेजों में था। और प्रेम समर्पण था चंद्रशेखर आजाद के प्रति आम लोगों का। आनन-फानन में अंग्रेज अपनी योजना पर काम करने लगे।आमतौर पर अंत्येष्टि के लिए उपयोग आने वाले दारागंज घाट से अलग सुनसान रसूलाबाद घाट पर अंतिम क्रिया दौर में लोगों की नजर में मसीहा और गुलामी की जंजीर से आजाद कराने वाला व्यक्ति समझे जाते थे। आमजन में आजाद कितने लोग प्रिय थे, इसका अंदाजा वायसराय बम कांड के बाद गांधी जी द्वारा कांग्रेस की सभा में निंदा प्रस्ताव के विभाजन से पता लगता है। निंदा प्रस्ताव में बम कांड की निंदा तो की ही गई थी साथ ही क्रांतिकारियों के इस कार्य को गलत बताया गया था। मत विभाजन में मात्र 34 मत से यह प्रस्ताव पास हो पाया जबकि गांधी नेहरू सभी व्यक्तिगत तौर पर इसे अपनी प्रतिष्ठा बनाए थे। इस समय तक नेहरू परिवार का अंग्रेजों से राफ़ता बहुत अच्छा था। भारतीयों में गुस्सा बहुत ज्यादा था। प्रयाग के कुछ लोग टंडन जी की अगुवाई में कमला नेहरू के पास पहुंचे और इस अत्याचार का विरोध किया गया। हर तरफ तनाव था। उन्होंने मध्यस्थता की। तकनीकी तौर पर मृत का शरीर कोई परिवार वाला या रक्त संबंधी ही ले सकता था। आनन-फानन में चंद्रशेखर आजाद के रक्त संबंधी को बनारस से बुलाया गया। अंग्रेज बहुत डर रहे थे। शव देने के लिए तैयार नहीं थे। इधर-उधर बहका रहे थे। दूसरी तरफ उन्हें यह भी डर था कहीं इसकी वजह से जनता में कोई गुस्सा ना फूट जाए। दारागंज के 1 पुलिसकर्मी जो भारतीय थे। उनसे बात की गई। पता लगा कि शव रसूलाबाद में है। भारतीयों का दल वहां पहुंचा। अधजले शव को दारागंज घाट पर ले आया गया। विधि विधान से उनकी अंत्येष्टि की गई। अब मैं मुख्य बात आपके सामने रखता हूं। दूसरे दिन एक सभा हुई। सभा में चंद्रशेखर आजाद की भस्म को रखा गया। क्रांतिकारी सुशीला दीदी ने भाषण दिया, उसके बाद वह भस्म लूट ली गई। कुछ ने पाया, बहुतों में नहीं पाया। चाहत यह कि यह भस्म अपने बेटे को ताबीज बनाकर पहनाएंगे। उनका बेटा भी चंद्रशेखर आजाद जैसा बने जरा आप आत्मालोकन करें -आज क्या स्थिति है? क्या कोयी मां, चंद्रशेखर आजाद को जानती है ? जो अपने बेटे को आजाद की प्रतिमा स्थल पर ले जाए ! जिससे उस महानायक की प्रेरणादाई बातें, सुनकर उन जैसा बने! उनके लिए भी एक आदर्श स्थापित हो ? शायद नही !!!क्या आपने चंद्रशेखर आजाद के बारे में किताबों में जो लिखा है उसे पढ़ा चंद्रशेखर आजाद का राष्ट्र के प्रति , क्या प्रेम था क्या आप जानते हैं राष्ट्र के सामने , मां-बाप के प्रति उनका क्या दायित्व था क्या आपने समझा है महिलाओं के प्रति, चंद्रशेखर आजाद का क्या दृष्टिकोण था? उनकी सच्ची कहानियां आपने सुनी है मित्र के प्रति उनका क्या भाव था, क्या आप जानते हैं पैसे के प्रति आजाद का क्या दृष्टिकोण था, क्या आप समझते हैं शायद नहीं यह छपा करोगी तो बिल्कुल नहीं जानते।कृपया करके उन लोगों में न शामिल हों, जो किसी न किसी तरह से चर्चा में बने रहना चाहते हैं।इसीलिए अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती और शहादत के 1 दिन पूर्व उनकी जयंती और शहादत मना लेते हैं सोशल मीडिया में तरह तरह के मैसेज करते हैं यह सिर्फ छपास रोगी हैं !!क्या इस परंपरा को आप सही मानते हैं आपकी क्या राय है अगर लगातार कार्यक्रम करते रहे हो तो, उनकी जन्म जयंती के 1 दिन पूर्व वह कार्यक्रम करें। उनका स्वागत है। लेकिन जयंती पर फूल नहीं चढ़ाएंगे। 1 दिन पहले मीडिया में यह नाटक क्यों ? जिसने (आजाद जी) जिंदगी भर कभी फोटो नहीं खिंचाई, उसके नाम से अपनी फोटो चमकाने वाले सिर्फ छपास रोगी है !!! और यही बदलाव का प्रतीक है। आजाद के दौर और वर्तमान दौर का। उनके चित्रों की भी अलग कहानी है ,कभी लिखूंगा। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की शहादत के अलावा, उनके जीवन चरित्र पर अनेक किताबें हैं। उसे पढ़ें। आपको चंद्रशेखर आजाद जैसे महानायक का व्यक्तित्व समझ में आएगा। अगर ना मिले तो। समय निकालकर मुझसे संपर्क करके उनके जीवन चरित्र के बारे में जरूर सुने और समझे। आज के बच्चे जब तक ग्रेजुएट बनते हैं, उस उम्र सीमा में चंद्रशेखर आजाद महानायक बन कर हमारे बीच से चले गए। आजाद गाथा के जरिए कोविड-19 के पहले मैंने बच्चों को आजाद जी के व्यक्तित्व के बारे में बताने का प्रयास किया। स्वास्थ्य ठीक होने पर पुनः इसे शुरू करूंगा। जयहिंद।

## वाराणसी में फिर बदला मौसम का मिजाज

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**वाराणसी।**वाराणसी में एक बार फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। बुधवार को सुबह से ही तीखी धूप होने लगी। इस कारण गर्मी भी लगने लगी। हवा भी नहीं चली की गर्मी से राहत मिले। जिस तरह का मौसम बना है।

# समान नागरित संहिता के समर्थन में अखिल भारतीय राजार्य सभा जंतर मंतर पर 30 जुलाई को शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन करेगी

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**नोएडा।** अखिल भारतीय राजार्य सभा की प्रेस वार्ता में सभी वक्ताओं ने एक स्वर से समान नागरिक संहिता का समर्थन करते हुए संसद के इसी सत्र में पास कराने की जोरदार वकालत की! इस अवसर पर राजार्य सभा के अध्यक्ष श्री महेन्द्र सिंह आर्य, आर्ष गुरूकुल के आचार्य जयेन्द्र कुमार, सभा के राष्टीय प्रवक्ता आचार्य कर्ण सिंह, पूर्व महामंत्री स्वामी मोहन देव , सदस्य रामेश्वर सरपंच , ने संबोधित किया प्रेस वार्ता आर्ष गुरूकुल आर्य समाज में आयोजित की गई; प्रेस वार्ता का विषय था समान नागनिक संहिता की मांग का रखते हुए अखिल भारतीय राजार्य सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेन्द्र सिंह आर्य ने कहा कि देश के अंदर अखिल भारतीय राजार्य सभा सौतेल व्यवहार का ने ही होने देगी; इसलिए हम सरकार से मांग करते हैं कि सरकार इस कानून को तत्काल प्रभाव से इसे संसद में कानून बनाकर लागू करें; जिससे देश में सभी को समानता का अधिकार प्राप्त हो! प्रेस वार्ता में इसी से संबंधित एक बिन्दु को उठाते हुए कहा कि मठ मंदिरों का पैसा जो लगभग चार लाख करोड हैं जिसे सरकार प्राप्त करती है जो कि धर्म कल्याण के लिए दान दिया जाता है परंतू चर्च, मस्जिद व मजार आदि के पैसे को सरकार नहीं लेती है! हम सरकार से जानना चाहते हैं कि एक ही देश में इस प्रकार का सौतेला व्यवहार क्यों! अखिल भारतीय राजार्य सभा यह मांग करती है कि मठ मंदिरों चर्च मस्जिद मजार आदि पर समान कानून लागू हो श्री महेन्द्र सिंह आर्या ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि इसी विषय को लेकर हम जंतर मंतर पर 30 जुलाई 2023 को एक जनसभा करने जा रहे हैं! और उस सभा के दौरान हम माननयी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक ज्ञापन सौपेंग! सरकार समान नागरिक संहिता को अविलंब लागू करें अन्यथा अखिल भारतीय राजार्य सभा इसके लिए जनांदोलन शुरू करेंगे आचार्य जयेन्द्र ने भी समान नागरिक संहिता का समर्थन करते हुए सरकार से मांग की कि केन्द्र सरकार इसी मानसून सत्र में शीघ्रता से कानून बनाकर लागू करें! स्वामी मोहन देव ने भी अखिल भारतीय राजार्य सभा के माध्यम से मांग की कि ये कानून देश हित में है और इसे अति शीघ्र लागू किया जाना चाहिए! अखिल भारतीय राजार्य लागू कराने के लिए कटिबद्ध है अखिल भारतीय राजार्य सभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आचार्य कर्ण सिंह ने भी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सभा के मूल उद्देश्य को पत्रकारों के समक्ष रखा! और कहा कि अखिल भारतीय राजार्य सभा प्रतिष्ठात्मक चुनाव प्रणाली के माध्यम से सात दिन में शून्य खर्च पर सभी तरह के चुनाव कराने को तैयार है! इसी से प्रजातंत्र स्थापित होता है! इस प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने अंत में कहा कि 30 जुलाई को आप सभी लोग अधिक से अधिक संख्या में जंतर मंतर पर पहुंच कर अखिल भारतीय राजार्य सभा के लिए देश हित में अपने कर्तव्य धर्म का पालन करें! इस अवसर पर आर्य समाज की मंत्री श्रीमति गायत्री मीणा , सभा के संरक्षक रामेश्वर सरपंच , पूर्व महामंत्री स्वामी मोहन देव , आर्य समाज पारसौल के प्रधान पूरण पहलवान, राष्टीय संगठन मंत्री श्रीमति इंदु आर्या, सभा के मंत्री यशवीर आर्या व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# शिवलिंग को नुकसान पहुंचाने में मुकदमा दर्ज कराने की अर्जी पर आदेश सुरक्षित

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**वाराणसी।**अधिवक्ताओं ने कहा कि द्वादश ज्योतिर्लिंग में प्रमुख श्री काशी विश्वनाथ मंदिर अनादि काल से काशी में स्थित है। इसे ज्योतिर्लिंग की प्राण प्रतिष्ठा के बाद स्थापित किया गया था, जो जीवित स्वरूप है। इसका कभी विध्वंश नहीं हुआ बल्कि मंदिर के स्वरूप को क्षतिग्रस्त किया गया था ज्ञानवापी परिसर में मिली शिवलिंग जैसी आकृति को नुकसान पहुंचाने के मामले में मुकदमा दर्ज कराने की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को स्पेशल सीजेएम उज्जवल उपाध्याय की अदालत में बहस पूरी हो गई। अदालत ने आदेश के लिए पत्रावली सुरक्षित कर ली है। यह सुनवाई निगरानी



अदालत के आदेश पर हुई है। निचली अदालत ने पहले मामले को खारिज कर दिया था। जल्द ही आदेश आ सकता है। भेलूपुर के बजरडीहा निवासी विवेक सोनी और चितईपुर के जयध्वज श्रीवास्तव की तरफ से दिए गए प्रार्थनापत्र पर अधिवक्ता देशरत्न श्रीवास्तव व नित्यानन्द राय ने दोपहर एक बजे पक्ष रखा अधिवक्ताओं ने कहा कि द्वादश ज्योतिर्लिंग में प्रमुख श्री काशी विश्वनाथ मंदिर अनादि काल से काशी में स्थित है। इसे ज्योतिर्लिंग की प्राण प्रतिष्ठा के बाद स्थापित किया गया था, जो जीवित स्वरूप है। इसका कभी विध्वंश नहीं हुआ बल्कि मंदिर के स्वरूप को क्षतिग्रस्त किया गया था। मंदिर के मलबे से ही भवन का स्वरूप बदला गया। हर स्थिति में ज्योतिर्लिंग अपने स्थान पर कायम रहा है।

# भूत प्रेत के चक्कर में दो पक्षो में चले जमकर लाठियां

(आधुनिक समाचार सेवा)

**डाला सोनभद्र।** रविवार की सुबह 11:00 बजे स्थानीय चोपन थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कोटा के भक्सीहवा टोला लंगड़ा मोड़ के पास भूत-प्रेत के चक्कर में दो पक्षों में जमकर लाठियां, चलने लगी जिसकी सूचना पाकर मौके पहुंचे हल्का प्रभारी त्रिभुवन राय एवं पीआरवी चोपन ने घटना स्थल पहुंचकर घायलों को चोपन अस्पताल भेजवाया गया प्राप्त जानकारी के मुताबिक भूत प्रेत को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट में कमला यादव पुत्र मुन्नी लाल, चंद्रशेखर यादव पुत्र कमला प्रसाद, छोटेलाल पुत्र तिलकधारी, रामविलास यादव पुत्र तिलकधारी, महेश यादव पुत्र तिलकधारी गंभीर रूप से घायल हो गए एवं अरविंद कुमार पुत्र कमला प्रसाद, बालकेश्वर पुत्र कमला प्रसाद शिव कुमार पुत्र छोटे लाल को हल्का फुल्का चोट आई जिसमें कुल छः लोगों का उपचार जारी है वहीं चोपन थाना की पुलिस अग्रिम कार्यवाही करते हुए दोनों पक्षों के चार चार लोगों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर दोनों पक्षों को चलान करते हुए माननीय न्यायालय भेज दिया गया।

# अज्ञात बोलेरो ने साइकिल सवार महिला को मारी टक्कर महिला हुई घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)

**डाला सोनभद्र।** स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत डाला चढ़ाई के एनसीएल बोड के पास रविवार दोपहर लगभग 1:30 बजे झपरहवा टोला से डाला बाजार जा रहे साइकिल सवार दंपति को अज्ञात बोलेरो ने पीछे से धक्का मारते हुए मौके से फरार हो गया वहीं साइकिल पर सवार महिला गिरकर घायल हो गई सूचना पाकर मौके पर पहुंची चोपन पीआरवी एवं डाला पुलिस ने राहगीरों के मदद से घायल महिला को चोपन अस्पताल भिजवाया गया। मिली जानकारी के मुताबिक घायल महिला रीता उम्र लगभग 30 वर्ष पत्नी संतोष कुमार अगरिया हलपता झपरहवा टोला अपने मायके में रहकर जीवन यापन करते थे।

# चोरी के सामान के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

**डाला सोनभद्र।** पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन पर बीते दिनों 7/8 जुलाई 2023 की रात्रि में डाला बाजार में स्थित बृजकिशोर मौर्या की परचून की दुकान से चोरी गये सामान व पैसो को चुराने वाले चोरो को 22 जुलाई 2023 शनिवार देर रात लगभग 21.10 बजे सेक्टर सी मोड़ के पास से कन्हैया कुमार उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र सुरेश प्रसाद निवासी मलीन बस्ती 5650/- रूपया नगद व 2 बण्डल ( 6 पैकेट) पान मसाला, 6 पैकेट तम्बाकू, 29 डिब्बी सिगरेट शातिर चोर एवं बाल अपचारी के पास से 3710/- रूपया नगद चोरी के सामान के साथ पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया जिसके उपरांत मु0अ0सं0- 131/2023 धारा 457, 380,411 भादवि थाना चोपन पर विधिक कार्यवाही किया जा रहा है। वहीं बरामदगी का विवरणः- 1. अभियुक्त कन्हैया के पास से 5650/- रूपया नगद व 2 बण्डल ( 6 पैकेट) पान मसाला, 6 पैकेट तम्बाकू, 29 डिब्बी सिगरेट बाल अपचारी के पास से 3710/- रूपया नगद बरामद किया गया जो कुल 9360/- रूपया नगद बरामद रहा इस दौरान टीम में चोपन थानाध्यक्ष विश्वनाथ प्रताप सिंह, चौकी प्रभारी डाला राजेश प्रताप सिंह, मुख्य आरक्षी प्रदीप कुमार, आरक्षी दीपक कुमार शामिल रहे।

# नहर में मिला युवक का शव

(आधुनिक समाचार सेवा)

**चुर्क।** सदर कोतवाली क्षेत्र के कूरा गांव के पास मंगलवार की सुबह शाहगंज राजवाहा नहर में एक युवक का शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।सदर कोतवाली क्षेत्र के पाली गांव निवासी सुभाष बियार (35) पुत्र रामा बियार सोमवार की सुबह चुर्क चौकी क्षेत्र अंतर्गत सिल्थरी गांव स्थित अपने दूसरे घर पर जाने के लिए निकला था। देर शाम होने के बाद भी जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। सुभाष का कहीं पता नहीं चल सका। मंगलवार की सुबह कूरा गांव के पास शाहगंज रजवाहा नहर में उसकी लाश मिली। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई। नहर से शव को बाहर निकालकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

# बीडर गांव में युवक एक माह के भीतर दूसरी बार हुआ सर्पदंश का शिकार, रेफर

(आधुनिक समाचार सेवा)

**डाला सोनभद्र।** दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के बीडर गांव में शनिवार की शाम एक युवक एक माह के भीतर दूसरी बार सर्पदंश का शिकार हो गया है। जानकारी के अनुसार सूर्य प्रताप पटेल 19 पुत्र हरेराम निवासी बीडर को शनिवार की शाम एक सर्प ने काट लिया जिससे युवक अचेत हो गया। अचेतावस्था में आनन फानन में युवक को इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दुद्धी पर भर्ती कराया गया जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। आपको बता दे कि बीते 8 जुलाई को भी ऊक्त युवक सर्प दंश का शिकार हो गया था जिसका इलाज दुद्धी सीएचसी में किया गया था आज 22 जुलाई को एक माह के भीतर दूसरी बार युवक सर्पदंश का शिकार हो गया है।

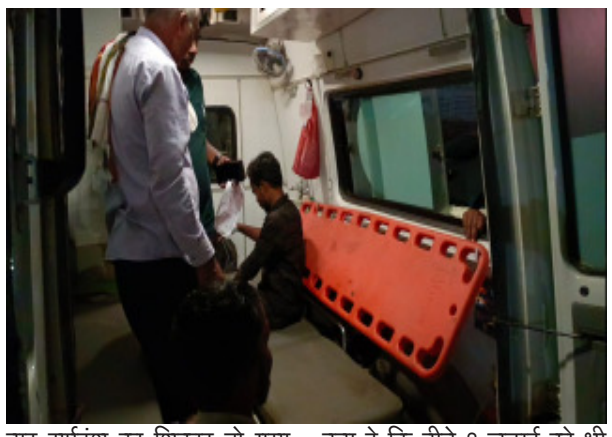



# अवैध खनन कर रहे दो ट्रैक्टर पकड़े

(आधुनिक समाचार सेवा)

**बीजपुर।** थाना क्षेत्र के जरहा वन क्षेत्र के बघाडू से रिहंद जलाशय से बालू का अवैध खनन और परिवहन का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। तमाम शिकायतों के बाद भी दर्जनों ट्रकों और टीपरों से बालू का परिवहन भी जारी है। इस बीच दर्जनों ट्रैक्टर व टिपर के जरिए खनन और परिवहन की बार-बार शिकायतों के बीच रेनुकूट वन प्रभाग के एसडीओ भानेन्द्र सिंह की अगुआई में उड़ाका दल टीम ने सोमवार की रात जरहा के बघाडू नदी सहित रिहन्द डैम क्षेत्र में छापा मारा। जहां बालू के खनन और परिवहन में शामिल दो ट्रैक्टर को पकड़ कर सीज कर दिया। इस दौरान टीम ने मौके से चार लोगों को गिरफ्तार कर अवैध खनन सहित सम्बन्धित धारा में चालान कर दिया। इस दौरान कार्रवाई की भनक लगते ही ट्रैक्टर से बालू खाली कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से कई ट्रैक्टर चालक फरार हो गए। वहीं अधिकारियों ने डेढ़ दर्जन अज्ञात लोगों पर जंगल की जमीन में रास्ता बनाने, खनन करने और वन कर्मियों के साथ बदसलूकी करने के आरोप में केस दर्ज किया है।

# कार्यशाला में ससमय प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें संबंधित अधिकारी -जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

**मीरजापुर ।** मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने जारी अपने एक आदेश के तहत भारत की आजादी के अमृत काल में प्रधानमंत्री के एक भव्य एवं विकसित भारत निर्माण के प्रण तथा प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाये जाने की मुख्यमंत्री की संकल्पना को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश में विकास के अलग-अलग आयामों को बल प्रदान किये जाने हेतु तथा प्रदेश में हो रहे निवेश विनिर्माण के क्षेत्र में उत्पादन निर्माण कार्य सेवा क्षेत्र व्यापार आदि क्षेत्रों में सम्बंधित विभागों द्वारा किये जा रहे योगदान का ससमय एवं सही आंकलन करने वाले सम्बंधित विभागों को एहेलूगे किये जाने हेतु एहेर्लूँगदह 'दैव्देज़' का आयोजन किया जाना है। मंडलायुक्त विंध्याचल मंडल डॉ0 मुथू कुमार स्वामी बी0 की संस्तुति पर दिनांक 24.07.2023 को अपरान्ह 04:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार का में कार्यशाला का आयोजन किया गया है। संगोष्ठी के आयोजन हेतु मुख्य सचिव महोदय के स्तर से जिला स्तर पर निम्नानुसार समिति का गठन यथा-जिलाधिकारी अध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी सदस्य, क्षेत्रीय/ उप क्षेत्रीय कार्यालय एनएसओ भारत सरकार के प्रतिनिधि सदस्य, उप निदेशक कारखाना सदस्य, उप/सह श्रमायुक्त सदस्य, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सदस्य, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा सदस्य, जिला सूचना अधिकारी सदस्य, महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र संयोजक, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सदस्य/सचिव होंगे। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कार्यशाला में ससमय प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

# जलौनी लकड़ी के नाम पर पेड़ों के काटे जाने को लेकर चेयरमैन ने व्यक्त की चिंता,लकड़ी बेचने वालों को दी चेतावनी

(आधुनिक समाचार सेवा)

**दुद्धी, सोनभद्र।**वनों के सिकुड़ते क्षेत्रफल को लेकर सरकार चिंतित है और क्षेत्रफल को बनाए रखने के लिए हर साल करोड़ो पेड़ लगाए जाते हैं ताकि धरती हरा भरा रहे।प्रदेश सरकार की आह्वान पर इस समय पूरे प्रदेश में 23 जुलाई से 30 जुलाई तक वृहद पौधरोपण का कार्य चल रहा है।दुद्धी नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन ने अपनी टीम के साथ लगभग 15 हजार पौधे नन्दन वन सहित नगर क्षेत्र में लगवाने का कार्य कर रहे हैं लेकिन रविवार को उस वक्त उनका पारा चढ़ गया जब कस्बे में कुछ लकड़ी बेचने वाले बेशकीमती पेड़ों की लकड़ियां लेकर पहुँचे।उन्होंने लकड़ी बेचने वालों को सख्त लहज़े में समझाया कि सरकार हर साल पेड़ लगवा रही हैं और हमलोग कल ही पौधरोपण किए हैं लेकिन एक तरफ पौधरोपण और दूसरी तरफ पेड़ों का दोहन तो ऐसे में आखिर धरती पर हरियाली कैसे आएगी।उन्होंने लकड़ी बेचने वाले कई पुरूष महिलाओं को चेताया कि यदि जलौनी लकड़ी के नाम पर पेड़ो को काटा जाएगा तो कार्यवाही की जाएगी।लकड़ी बेचने आए कई महिलाओं को समझाया कि प्रधानमंत्री जी द्वारा उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन दिए गए हैं ताकि महिलाओं को धुंआ न खाना पड़े।इससे काफी हद तक पेड़ों के कटान पर रोक लगी है लेकिन अभी भी कई ऐसे नासमझ लोग हैं जो थोड़े से लालच में आकर हरे पेड़ों की कटाई करते हैं और उसको कस्बे में बेचने के लिए आते हैं।उन्होंने लकड़ी खरीदने वाले होटल संचालकों को भी चेताया है कि यदि हरे पेड़ों की लकड़ियों को खरीदते हैं तो वे भी दोषी माने जाएंगे, क्योंकि अगर होटल संचालक लकड़ियों को खरीदना बन्द कर दे तो आधी लकड़ी कटान स्वयं रुक जाएगी।उन्होंने कहा कि यदि लकड़ी कटान नही रुकी तो होटलों पर भी छापेमारी की जाएगी और जिस होटल पर लकड़ी पायी जाएगी उसके खिलाफ नगर पंचायत द्वारा जुर्माना वसूला जाएगा।नगर पंचायत अध्यक्ष एवं पर्यावरण प्रेमी कमलेश मोहन ने कहा कि लकड़ी काटने व बेचने वाले गरीब परिवारों को रोजगार से जोड़ने की आवश्यकता है, इससे लकड़ी का कटान रुकेगा और गरीब परिवार को रोजगार मिलेगा,क्योंकि ऐसा देखा जाता है कि गांव की गरीब महिलाएं रोजगार की अभाव में जंगलों से बेशकीमती लकड़ियों को काटकर बेचने पर मजबूर हो जाते हैं।उन्होंने कहा कि खोखा, करहिया, बहेराडोल,गढ़दरवा,हथवानी सहित अन्य गांवों के ग्राम प्रधान ऐसे लोगों को चिन्हित करें और रोजगार उपलब्ध कराने में सहयोग करें।उन्होंने कहा कि जंगल बचाने के लिए जहां भी हमारी सहयोग की जरूरत होगी मैं सदैव तत्पर रहूंगा।

# वृक्षो से हमें आक्सीजन सहित जीवदायिनी जड़ी बूटियां भी मिलती है

(आधुनिक समाचार सेवा)

**अनपरा (सोनभद्र)।** उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप आदित्य बिरला इंटरमीडिएट कॉलेज रेनुसागर के अध्यक्ष आर पी सिंह के दिशा निर्देशन व विद्यालय प्रबंधक शैलेश विक्रम सिंह के कुशल नेतृत्व में आदित्य बिरला इंटरमीडिएट कॉलेज रेणुसागर के छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकों के द्वारा मधुबन पार्क रेनूसागर में वृहद वृक्षारोपण कार्य का आयोजन किया गया , जिसमें अमरुद जामुन लीची नीम आम के कुल 140 पौधों का पौधरोपण किया गया, पौधरोपण अभियान में कुल 50 बच्चों ने प्रतिभाग कर पर्यावरण को हरा-भरा रखने में अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य आर सी पांडेय ने पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षो की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें पेड़ो से केवल लकड़ी ही नहीं अपितु स्वस्थ रहने के लिए जीवदायिनी आयुर्वेदिक खूबियों से भरपूर जड़ी बूटियां, फल फूल भी प्राप्त होते हैं इसलिए हमें अपने आसपास कम से कम दो फलदार पौधे जरूर लगाना चाहिए और इसे संरक्षण की भी जिम्मेदारी हमारी है, साथ ही साथ सभी छात्र छात्राओं को पौधरोपण करने के लिए संकल्प लेने को कहा तथा उपस्थित सभी अध्यापक अध्यापिकाओं एवं बच्चों ने पौधरोपण के उपरांत उनके संरक्षण हेतु शपथ भी ली । इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा वीणापाणि, पूनम तिवारी ,इंदू सिंह,बी यल पाठक ,बृजेश मिश्रा व राजेश सिंह उपस्थित थे।





# केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने संसदीय जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित जनसंवाद में जनपदवासियों से की मुलाकात, समस्यायों का किया निदान

(आधुनिक समाचार सेवा)

**मीरजापुर ।** अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने रविवार को जनपद के सरदार पटेल चौराहा स्थित संसदीय जनसंपर्क कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की एवं जनसंवाद के दौरान जनपद के विभिन्न हिस्सों से आए आगंतुकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएँ सुनी तथा संबंधित अधिकारियों से बात कर उनकी समस्याओं के तत्काल निस्तारण का निर्देश दिया। इस मौके पर जनपदवासियों ने भूमि व रास्ते से संबंधित प्रार्थना पत्र, स्वास्थ्य, शिक्षा व आवास जैसी बुनियादी जरूरतों से संबंधित प्रार्थना पत्र दिए। जिस पर माननीय केंद्रीय मंत्री श्रीमती पटेल ने आये हुए आगंतुकों से उनकी समस्याएँ सुनकर संबंधित विभाग व अधिकारी को त्वरित निस्तारण हेतु निर्देश दिया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष इंजीनियर राम लौटन बिंद, पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री रेखा वर्मा, पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मेघनाथ पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ अनिल सिंह पटेल, प्रदेश सचिव आनंद सिंह पटेल, प्रदेश महासचिव आईटी मंच दुर्गेश पटेल, जिलाध्यक्ष आईटी मंच हीरामन बिंद, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पटेल, जिला महासचिव युवा मंच हर्षित पटेल, अभिषेक पटेल, विधानसभा अध्यक्ष विजय शंकर केसरी, विधानसभा अध्यक्ष धनंजय पटेल, जोन अध्यक्ष रतन जयसवाल, राजेश मौर्य, भगवान दास इत्यादि लोग उपस्थित रहें। उक्त आशय की जानकारी जिला मीडिया प्रभारी शंकर सिंह चौहान ने दी।

# प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनामी बनाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता -मुख्य विकास अधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

**मीरजापुर ।** सांख्यिकी आकड़ो के संग्रहण हेतु कलेक्ट्रेट में कार्यशाला सम्पन्न संयुक्त विकास आयुक्त ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का किया शुभारम्भ मीरजापुर 24 जुलाई 2023- शासन के निर्देश के अनुपालन में आज कलेक्ट्रेट सभागार में सांख्यिकी आंकड़ों के संग्रहण हेतु विभागीय अधिकारियो, उद्यमियों, व्यापारी के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ संयुक्त विकास आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल सुरेश चन्द्र मिश्र के द्वारा प्रज्जवलित कर किया गया। संयुक्त विकास आयुक्त ने कहा कि भारत की आजादी के अमृत काल के दौरान मा0 प्रधानमंत्री जी के एक भव्य एवं विकसित भारत निर्माण के प्रण तथा प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाये जाने की मा0 मुख्यमंत्री जी संकल्पना को पूरा करने के दृष्टिगत सभी के सहयोग के लिये कार्यशाला का आयोजन किया गया हैं। उन्होने कहा कि छोटी बड़ी प्रत्येक ईकाईयो के सही सांख्यिकी आकड़ो के संग्रहण से ही यह परिकल्पना पूरी की जा सकती हैं। मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि उत्तर प्रदेश के वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होने कहा कि यह तभी सम्भव है जब अर्थव्यवस्था के जी0डी0पी0 में सभी सेक्टरो प्राथमिक द्वितीय एवं तृतीय का सक्रिय योगदान हो एवं इसके साथ ही साथ इस तथ्य की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है उनके द्वारा किये गये योगदान का ससमय एवं सही आकलन किया जाय। आकलन करने के लिये प्रदेश में विभिन्न प्रकार के सर्वेक्षण कराये जा रहे सर्वेक्षण के दौरान यदि कोई सांख्यिकी अधिकारी किसी प्रकार का आकड़ा मांगने पहुंचता है तो उसे सही आकड़ा उपलब्ध कराया जाय। उन्होने कहा कि यह सर्वेक्षण विशेष रूप से विनिर्माण, व्यापार और अन्य सेवा क्षेत्र में गैर-कृषि प्रतिष्ठानों की आर्थिक और परिचालन के स्थिति जानने के लिये तथा विनिर्माण व्यापार और अन्य सेवा क्षेत्र में अनिगमित गैर-कृषि उद्यमो जी0वी0ए0 (ग्राम वैल्यू एडेड) की गणना के लिये किया जाता हैं। जिला सांख्यिकी अधिकारी शशिकान्त प्रसाद ने कार्यशाला की जानकारी देते हुये बताया कि एनुअल सर्वे आफ इंडस्ट्रीज के सर्वेक्षण के बारे में प्रदेश में कारखाना अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत उद्योगो के वार्षिक क्रियाकलापों कार्यरत श्रमिको की संख्या एवं बैलेंस सीट इत्यादि का आकलन जानकारी हेतु किया जाता हैं। उन्होने बताया कि प्रदेश एवं जनपद में चयनित उद्योगो के मासिक उत्पादन, कार्यरत श्रमिको की संख्या का आकलन भी सर्वेक्षण के तहत किया जाता हैं। इन कार्यशालाओं में हित धारक अर्थात परिवार, कारखाने, दुकाने, छोटे व्यवसाय स्वास्थ्य देखभाल, ईकाईयाँ, क्लब, शिक्षा संस्थान, कानूनी एवं परिवहन संगठन, सभी को यह आश्वस्त करने की आवश्यकता है कि उनके साझा की गयी जानकारी का उपयोग उनकी व्यक्ति पहचान उजागर किये बिना केवल सांख्यिकी उद्देश्यों के लिया किया जायेगा।

# दुद्धी में अल्ट्रासाउंड की भरमार मानकों की उड़ा रहे धज्जियां

(आधुनिक समाचार सेवा)

**दुद्धी, सोनभद्र।**उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के बार बार निर्देश के बाद भी जिले में मानकों को ताख पर रखकर अल्ट्रासाउंड एवं पैथोलॉजी सेंटर चलाए जा रहे हैं, जहाँ प्रतिदिन मरीजों का जांच के नाम पर शोषण हो रहा है तो वहीं गलत जांच रिपोर्ट के कारण जिंदगी तबाह हो जा रही हैं।स्वास्थ्य की टीम भले ही समय समय पर अवैध नर्सिंग होम एवं अल्ट्रासाउंड व पैथोलॉजी सेंटरों पर छापेमारी की जाती हैं फिर भी यह कार्य धड़ल्ले से चल रहा है। दुद्धी कस्बे में भी इन दिनों अवैध नर्सिंग होम के साथ-साथ अल्ट्रासाउंड की भी भरमार हो गई हैं।इसके लिए अल्ट्रासाउंड संचालक सीधे डॉक्टरों से मिलकर अपनी कारोबार धड़ल्ले से चला रहे हैं।भले ही इनके यहां कोई जांच स्पेस्लिस्ट न हो लेकिन इनके दावे बड़े बड़े होते हैं इसलिए मरीज आसानी से चंगुल में फंस जाते हैं।दुद्धी कस्बे के चारो तरफ अल्ट्रासाउंड की जाल बिछा दिया गया है चाहे राबर्ट्सगंज रोड इंडियन बैंक हो या म्योरपुर रोड बैंक ऑफ इंडिया की तरफ हो या अमवार रोड सहित कई स्थानों पर धड़ल्ले से अल्ट्रासाउंड सेंटर का संचालन हो रहा है जबकि स्थानीय स्वास्थ्य महकमा मौन धारण किए हुए हैं।

# 'ओपन गंगनम स्टाइल...', कोरिया ओपन जीतकर सात्विक-चिराग ने रचा इतिहास इस तरह मनाया जीत का जश्न

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**नई दिल्ली।** भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ने पहली बार कोरिया ओपन का



खिताब जीत लिया है। कोरिया ओपन के मेंस डबल्स फाइनल में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने इंडोनेशिया के टॉप सीड फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो को 17-21, 21-13, 21-14 से हराया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ने पहली बार कोरिया ओपन का खिताब जीत लिया है। कोरिया ओपन के मेंस डबल्स फाइनल में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने इंडोनेशिया के टॉप सीड फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो को 17-21 21-13 21-14 से हराया। शुरुआत में भारतीय जोड़ी एक गेम पीछे जरूर चल रही थी लेकिन टीम ने शानदार वापसी करते हुए एक और खिताब अपने नाम कर लिया। शुरुआत में भारतीय जोड़ी एक गेम पीछे जरूर चल रही थी, लेकिन टीम ने शानदार वापसी करते हुए एक और खिताब अपने नाम कर लिया। जीत के बाद दोनों ही खिलाड़ी खुशी के मारे नाचते हुए दिखाई दिए। इन दोनों के डांस का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, सात्विकसाईराज और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में कमाल का परफॉर्मेंस किया। पहले सेट में भारतीय जोड़ी को 17-21 से हार झेलनी पड़ी थी, लेकिन इसके बाद इस जोड़ी ने दमदार वापसी कर दूसरे सेट को 21-13 से अपने नाम किया। वहीं, तीसरे सेट में भारतीय जोड़ी ने 21-14 से जीत दर्ज करते हुए पहली बार इस खिताब पर अपना कब्जा जमाया। ये खिताब जीतते ही सात्विक और चिराग कोर्ट पर ही डांस करने लगे। दोनों ने 'गंगनम स्टाइल' के सिग्नेचर स्टेप को कॉपी किया और जीत की खुशी मनाई।

# एशियन गेम्स 2023 में दांव लगाते नजर नहीं आएंगे रवि दहिया , ट्रायल में करारी हार के साथ टूटा सपना

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**नई दिल्ली।** ओलंपिक गेम्स में सिल्वर मेडल अपने नाम करने वाले भारत के स्टार पहलवान रवि दहिया एशियन गेम्स 2023 में दांव लगाते हुए नजर नहीं आएंगे। चीन में होने वाले टूर्नामेंट में खेलने का रवि का सपना ट्रायल्स में चकनाचूर हो गया है। रवि को महाराष्ट्र के रेसलर आतिश टोडकर ने 20-8 से मात देते हुए बाहर का रास्ता दिखाया है। 2023 ओलंपिक गेम्स में सिल्वर मेडल अपने नाम करने वाले रवि दहिया एशियन गेम्स 2023 में दांव लगाते हुए नजर नहीं आएंगे। रवि को एशियन गेम्स के लिए चल रहे ट्रायल में महाराष्ट्र के पहलवान आतिश टोडकर के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी है। इस हार के साथ ही रवि का एशियन गेम्स में मेडल जीतने का सपना भी चकनाचूर हो गया है। ओलंपिक गेम्स के रजत पदक विजेता रवि दहिया का एशियन गेम्स 2023



में खेलने का सपना टूट गया है। रवि को दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रहे एशियन गेम्स ट्रायल में एकतरफा अंदाज में महाराष्ट्र के पहलवान आतिश टोडकर के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी है। आतिश ने रवि को 20-8 से मात देते हुए बाहर का रास्ता दिखा दिया है। रवि इस मुकाबले में पूरी तरह से फीके नजर आए और उनके पास आतिश के हर दांव का कोई जवाब नहीं था। रवि को एशियन गेम्स में मेडल का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन टूर्नामेंट में खेलने का उनका सपना अधूरा रह गया है। रवि दहिया का नाम पहली बार सुर्खियों में टोक्यो ओलंपिक में आया था। रवि ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखाते हुए सिल्वर मेडल को अपने नाम किया था। रवि को आतिश के खिलाफ 57 किलोग्राम के लिए खेले गए मुकाबले में हार का मुंह देखना पड़ा है। घरेलू पहलवान के सामने रवि जैसे इंटरनेशनल रेसलर का यह प्रदर्शन यकीनन काफी निराश करने वाला है।

# ये उसकी समस्या है बांग्लादेश की कप्तान सुल्ताना और हरमनप्रीत कौर के व्यवहार पर उठाया बड़ा सवाल

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**नई दिल्ली।** हरमनप्रीत कौर के आउट होने के बाद शुरू हुआ विवाद थमते हुए नहीं दिख रहा है। अब बांग्लादेश की महिला टीम की कप्तान निगार सुल्ताना ने हरमनप्रीत



कौर की आलोचना कर दी है। सुल्ताना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि हरमनप्रीत इससे बेहतर व्यवहार कर सकती थी। बता दें कि सीरीज बराबर होने के बाद दोनों टीमों को फोटो सेशन के लिए बुलाया गया है। जब फोटो लिए जा रहे थे। तभी हरमनप्रीत ने चिल्लाया ठअंपायरों को भी लाओठ। साथ ही यह भी कहा कि वे बांग्लादेश टीम का हिस्सा थे। इसके बाद निगार सुल्ताना ने इस बारे में बीसीबी अधिकारियों से बात की और इसके तुरंत बाद अपने खिलाड़ियों को ड्रेसिंग रूम में वापस ले गईं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान निगार सुल्ताना ने कहा, ठयह पूरी तरह से उसकी समस्या है। मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है। एक खिलाड़ी के रूप में, वह बेहतर व्यवहार दिखा सकती थीं। मैं आपको नहीं बता सकती कि क्या हुआ, लेकिन मेरी टीम के साथ वहां रहना सही नहीं लगा। यह सही माहौल नहीं था। इसलिए हम वापस चले गए। क्रिकेट अनुशासन और सम्मान का खेल है। दरअसल, पूरा मामला 34वें ओवर से जुड़ा हुआ है। इस ओवर में हरमनप्रीत स्वीप करने के प्रयास में नाहिदा अख्तर की गेंद पर स्लिप में कैच आउट हो गईं। हालांकि, यह एक सवाल रहा कि क्या यह पैड से लगकर गई थी या ग्लव्स या बल्ले से लगकर गई थी आउट दिए जाने के बाद हरमनप्रीत ने अपना बल्ला स्टंप्स पर दे मारा था।

# रोहित शर्मा और यशस्वी ने रिकॉर्ड्स का लगाया अंबार, भारतीय टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली बार हुआ ये कारनामा

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**नई दिल्ली।** भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जोड़ी वेस्टइंडीज दौरे पर सुर्खियां अपने नाम किया। बता दें कि रोहित-यशस्वी ने दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी के दौरान हर ओवर के साथ नया रिकॉर्ड अपने नाम शामिल किया। पहले दो ओवर्स में भारत ने यशस्वी ने मिलकर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप की। दो मैच की तीन पारियों में इस जोड़ी ने कुल 466 रन बना



बटोरती हुई नजर आ रही है। दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में रोहित-यशस्वी का बल्ला जमकर गरजा और इन दोनों ने पहली ही गेंद से रन जोड़ने शुरू किए। भले ही मैच में रोहित के विकेट के बाद बारिश आ दई औक मैच वहीं रोकना पड़ा। इसक बाद दोनों ही बल्लेबाज एक अलग ही लेवल में बल्लेबाजी करते हुए नजर आए, जिन्होंने मेजबान टीम के गेंदबाज को जमकर परेशान किया। इस दौरान दोनों ही बल्लेबाजों ने कई रिकॉर्ड्स की झड़ी लगाई और टेस्ट में खास रिकॉर्ड 21, तीसरे में 31 रन, चौथे में 41 और पांचवें में 48 रन बनाए, जो कि टेस्ट में भारत की सबसे तेज शुरुआत थी। इसके बाद उन्होंने शुरुआती 10 ओवर तक रनों की बौछार लगाई और 10 ओवर तक भारत को 90 रन के स्कोर पर खड़ा कर दिया। ये टेस्ट क्रिकेट के पहले 10 ओवर्स में किसी भी टीम द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन रहे। उनसे पहले इंग्लैंड ने सबसे ज्यादा रन 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ बनाया था। इसके साथ ही रोहित और लिए, जो वेस्टइंडीज के खिलाफ किसी भारतीय ओपनिंग जोड़ी का किसी एक सीरीज में बनाया गया सबसे ज्यादा रन की साझेदारी रही वहीं, रोहित-यशस्वी ने मिलकर 12.2 ओवरों में ही 100 रन बना दिए। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में किसी टीम द्वारा बनाए गए सबसे तेज रन रहे। वहीं, भारतीय टेस्ट क्रिकेट इतिहास में रोहित-यशस्वी ने सबसे तेज अर्धशतक जड़ा। 35 गेंदों में इस जोड़ी ने दमदार अर्धशतक जड़ा।

# रोहित शर्मा ने तोड़ा जयवर्धने का वर्ल्ड रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले बने दुनिया के पहले बल्लेबाज

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**नई दिल्ली।** वेस्टइंडीज और भारत के बीच त्रिनिदाद में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। चौथे दिन टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा (ंदप् ऐर्ष्फे) ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। रोहित टेस्ट फॉर्मेट में लगातार 30 बार डबल



डिजिट स्कोर बनाने वाले विश्व के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने को पीछे छोड़ दिया है। दरअसल, चौथे दिन पहले सत्र में ही वेस्टइंडीज की पारी पहली पारी समेटने के बाद रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ओपनिंग करने उतरे। रोहित ने 10 रन बनाते ही महेला जयवर्धने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने टेस्ट क्रिकेट में लगातार 29 बार डबल डिजिट में स्कोर बनाया था। रोहित ने 30 बार लगातार डबल डिजिट में स्कोर बनाकर अब दुनिया पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, रोहित और यशस्वी की जोड़ी ने टेस्ट क्रिकेट में एक उपलब्धि हासिल की। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने भारतीय टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे तेज 50 रन की साझेदारी की। रोहित और यशस्वी की सलामी जोड़ी ने भारत की दूसरी पारी में 35 गेंद में 50 रन बनाकर यह कारनाम किया। इतना ही नहीं रोहित ने एक और भी खास उपलब्धि अपने नाम कर ली है। बता दें कि रोहित शर्मा दूसरे ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सबसे ज्यादा सिक्स लगाए हैं। पहले नंबर पर यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल मौजूद हैं। क्रिस गेल ने 551 पारियों में 553 सिक्स लगाए हैं। वहीं, रोहित ने 464 पारियों में 534 सिक्स जड़ दिए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरी पारी में रोहित ने तीन शानदार सिक्स लगाए। दूसरी पारी में गंवाए दो विकेट गौरतलब को भारत ने दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच में पहली पारी में 438 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज 255 रन पर ऑल आउट हो गई। खबर लिखे जाने तक भारत ने दूसरी पारी में चाय काल तक दो विकेट खोकर 118 रन बना लिए थे। रोहित ने 44 गेंद पर ताबड़तोड़ 57 रन की पारी खेली।

# ईशान किशन के अर्धशतक से ऋषभ पंत का क्या है कनेक्शन खुद विकेटकीपर बल्लेबाज ने बताया राज

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**नई दिल्ली।** भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट मैच पोर्ट ऑफ स्पेन में खेला जा रहा है। इस टेस्ट में टीम इंडिया के विकेटकीपर महज 33 गेंदों पर अपना पचासा पूरा किया। इस दौरान उन्होंने मैच में एक हाथ से ऐसा छक्का जड़ा जिसे देखकर फैंस को ऋषभ पंत की याद आ गई। इसके बाद मैच



बल्लेबाज ईशान किशन को डेब्यू करने का मौका मिला। पहली पारी में वह बल्ले से अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे थे। वहीं, दूसरी पारी में उन्होंने 20 गेंद का सामना करने के बाद अपना खाता खोला। दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में जब उन्हें विराट कोहली के स्थान पर नंबर 4 पर बैटिंग का मौका मिला तो उन्होंने कोहराम मचा दिया और अपने टेस्ट क्रिकेट करियर की पहली फिफ्टी जड़ दी। ईशान ने के बाद पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन के दौरान ईशान ने पंत को थैंक्यू भी कहा। आइए जानते हैं ईशान ने ऐसा क्यों कहा दरअसल, अपने टेस्ट करियर की पहली फिफ्टी जड़ने के बाद ईशान किशन ने टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को थैंक्यू कहा। ईशान ने कहा कि वेस्टइंडीज आने से पहले मैं बैंगलुरू स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में था और ऋषभ पंत भी वहां थे। उन्होंने बैटिंग को लेकर मुझे कुछ टिप्स दी और मुझे बताया कि बल्ला कैसी पोजिशन में रखना चाहिए। हम अंडर-19 से एक साथ क्रिकेट खल रहे हैं। उन्हें मेरी बैटिंग के बारे में अच्छे से पता और उन्होंने मुझे जो सुझाव दिया उसके लिए मैं शुक्रगुजार रहूंगा। बता दें कि ईशान को दूसरी पारी में नंबर 4 बैटिंग के लिए उतारा गया, जबकि उस बैटिंग पोजिशन पर विराट कोहली (ग्रै ख्दप्) खेलते है। इस कड़ी में ईशान ने बताया कि विराट कोहली ने उन्हें इस नंबर पर बैटिंग करने के लिए सपोर्ट किया। ईशान ने कहा कि मेरी ये हाफ सेंचुरी बिना विराट भाई के असंभव थी। पूरी टीम ने मेरा साथ दिया और मुझसे कहा कि जाओ और अपना खेल खेलो। ये विराट भाई थे, जिन्होंने मुझे इस नंबर पर भेजने का सुझाव दिया और ये फैसला हमारे लिए अच्छा साबित हुआ। बता दें कि ईशान किशन टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले विकेटकीपर के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए है। ऋषभ पंत का नाम इस लिस्ट में टॉप पर है, जिन्होंने 28 गेंद पर पचासा पूरा किया है। इसके बाद ईशान किशन ने 33 गेंद में ये कारनामा किया। वहीं, महेंद्र सिंह धोनी ने 34 गेंद में ये कमाल किया था।

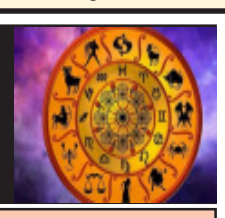



# राशिफल



**मेष-**:तली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

**वृष-**:जीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

**मिथुन-**:क्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

**कर्क-**:आज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

**सिंह-**:आपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में क़ामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

**कन्या-**:प्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

**तुला-**: जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

**वृश्चिक-**:छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

**धनु-**:इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

**मकर-**:लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

**कुंभ-**:भावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

**मीन-**:आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

# ऑस्ट्रेलिया के पास रहेगी एशेज सीरीज की ट्रॉफी

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**नई दिल्ली।** ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चौथ टेस्ट मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। एजबेस्टन में आखिरी दिन के खेल में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने एशेज ट्रॉफी को रिटेन कर लिया है। बारिश ने इंग्लैंड के आठ वर्ष बाद एशेज सीरीज जीतने के अरमानों पर पानी फेर दिया। चौथे एशेज टेस्ट के आखिरी दिन रविवार को बारिश के कारण एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी और मैच को ड्रॉ घोषित करना पड़ा, जिससे एशेज ट्राफी ऑस्ट्रेलिया के पास ही रहेगी। पहले दो मैच गंवाने के बाद इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में तीसरा टेस्ट मैच जीतकर सीरीज में वापसी की थी और उसके पास मजबूत स्थिति में होने के बाद चौथा टेस्ट जीतने का भी अवसर था। अगर इंग्लैंड यह टेस्ट जीत जाता तो विजेता का निर्णय अगले सप्ताह से लंदन के द ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट मैच में होता, लेकिन वर्षा ने इंग्लैंड से यह अवसर छीन लिया। ऑस्ट्रेलिया पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे हैं। ऐसे में अगर पांचवां टेस्ट इंग्लैंड जीत भी जाता है, तब भी एशेज ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया के पास ही रहेगी क्योंकि सीरीज ड्रा रहने पर ट्रॉफी उसे पहले जीतने वाली टीम के पास ही रहती है। इंग्लैंड ने अंतिम बार एशेज ट्राफी 2015 में जीती थी।

# पाकिस्तान ने भारत को रौंदकर रचा इतिहास, दर्ज की इमर्जिंग एशिया कप के फाइनल की सबसे बड़ी जीत

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**नई दिल्ली।** भारतीय फैंस के लिए रविवार यानी 23 जुलाई का दिन बेहद ही निराशाजनक रहा। कोलंबो में खेले गए इमर्जिंग एशिया कप 2023 के फाइनल मैच में पाकिस्तान ही टॉस गंवाया हो, लेकिन पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम के खिलाड़ियों ने रनों की बौछार लगाई और एक बड़ा लक्ष्य सेट किया। पाकिस्तान ने मैच में भारत को 128 रन से हराकर एक बड़ा रिकॉर्ड इसके बाद यश ढुल की कप्तानी वाली भारतीय-ए टीम 40 ओवर में 224 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इंडिया-ए टीम की तरफ से सिर्फ सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 51 गेंदों पर 61 रन बनाए।




ने भारत-ए टीम को 128 रन से रौंदा और खिताब अपने नाम किया। पाकिस्तान-ए टीम ने दूसरी बार ये खिताब अपने नाम करने में कामयाब हुई। साल 2019 में पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट का पहला खिताब जीता था। वहीं, साल 2013 में भारत-ए टीम को जीत हासिल हुई थी। उसके बाद से भारत को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। इस फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान टीम ने भले अपने नाम कर लिया है। आइए जानते हैं इस बारे में विस्तार से। दरअसल, पाकिस्तान-ए टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 352 रन बनाए। तैयब ताहिर ने 108 रन की शतकीय पारी खेली। उनके अलावा ओपनर सैएब अयूब ने 59 और साहिबजादा फरहान ने 65 रनों की पारी खेली और टीम को ये स्कोर खड़ा करने में अहम योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सका। इस तरह पाकिस्तान ने 128 रन से जीत हासिल कर रनों के लिहाज से एशिया कप के फाइनल की सबसे बड़ी जीत हासिल की। इससे पहले पाकिस्तन ए टीम ने 2019 में बांग्लादेश को 77 रन से हराकर रन के लिहाज से सबसे बड़ी जीत हासिल की थी।

# सम्पादकीय

## गरीबी उन्मूलन की उपलब्धि और यूएनडीपी की भारत की तारीफ का सबब

यूएनडीपी की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2015-16 से 2019-21 के बीच भारत में गरीबों की संख्या में 38 फीसदी की गिरावट आई। इस दौरान ऐसा क्या खास हुआ कि गरीबी कम करने में अभूतपूर्व तेजी आई, जिससे यूएनडीपी को भारत की तारीफ करनी पड़ी! हाल ही में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रकाशित बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2023 रिपोर्ट में भारत की इस बात के लिए सराहना की गई है कि उसने गरीबी उन्मूलन में अन्य देशों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। वर्ष 2015 में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में से एसडीजी1 में उम्मीद की गई थी कि दुनिया में वर्ष 2030 तक सभी प्रकार की गरीबी समाप्त हो जाएगी। वर्ष 2023 की रिपोर्ट में इस बात पर संतोष व्यक्त किया गया कि वैश्विक स्तर पर इस लक्ष्य की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूएनडीपी गरीबी की एक परिभाषा का उपयोग करता है, जिसे बहुआयामी गरीबी कहा जाता है। यह परिभाषा सभी देशों के लिए समान है। विश्व के विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा उपयोग की जाने वाली गरीबी की भिन्न-भिन्न परिभाषाओं के कारण गरीबी का एक समान आकलन संभव नहीं हो पाता है। इस कारण विश्व के विभिन्न देशों के बीच तुलना करना भी कठिन हो जाता है। यूएनडीपी के बहुआयामी गरीबी माप में कई तत्व शामिल हैं, जो सभी देशों में समान हैं। इसमें पोषण, बाल मृत्यु दर, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, रसोई ईंधन, स्वच्छता, पीने का पानी, बिजली, आवास और संपत्ति शामिल हैं। विभिन्न देशों में डाटा की उपलब्धता के आधार पर अलग-अलग वर्षों में बहुआयामी गरीबी का अनुमान लगाया गया है। अतः यूएनडीपी के आंकड़ों से किसी एक वर्ष में विभिन्न देशों में गरीबी का तुलनात्मक अध्ययन संभव नहीं। विभिन्न देशों के लिए यूएनडीपी के पास उपलब्ध प्रारंभिक डाटा 2005-06 से 2019-21 तक है। इसलिए, रिपोर्ट में प्रकाशित आंकड़ों से यह पता लगाना संभव नहीं कि एक निश्चित अवधि के दौरान दुनिया के सभी देशों में तुलनात्मक रूप से गरीबी कितनी और कब कम हुई है। भारत के संदर्भ में, यूएनडीपी डाटा तीन वर्षों, 2005-06, 2015-16 और 2019-21 का विवरण देता है। इस डाटा के मुताबिक, भारत में वर्ष 2005-06 में 55.1 फीसदी आबादी यानी 64.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से पीड़ित थे। 10 साल बाद वर्ष 2015-16 में यह आंकड़ा 27.7 फीसदी यानी 37 करोड़ रह गया। इन 10 वर्षों के दौरान गरीबी के प्रतिशत में कमी की दर सालाना 6.6 प्रतिशत रही। लेकिन वर्ष 2015-16 से 2019-21 की अवधि में बहुआयामी गरीबी से पीड़ित गरीबों का अनुपात घटकर जनसंख्या का केवल 16.4 प्रतिशत रह गया; और गरीबों की संख्या घटकर 23 करोड़ रह गई। यानी सिर्फ पांच साल में 14 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए और गरीबी कम होने की रफ्तार बढ़कर सालाना 10 फीसदी से भी ज्यादा हो गई। यह बताना महत्वपूर्ण है कि 2015-16 और 2019-21 के बीच पांच वर्षों में गरीबों की संख्या में 38 फीसदी की गिरावट आई, जिसमें एक वर्ष से अधिक की सबसे खराब महामारी भी शामिल है। ऐसे में यह समझना जरूरी होगा कि इस दौरान ऐसा क्या खास हुआ कि गरीबी कम करने में अभूतपूर्व तेजी आई, जिससे यूएनडीपी को भारत की तारीफ करनी पड़ी! यह भारत के लिए तो अच्छी खबर है ही, दुनिया के लिए भी अहम खबर और सबक है। यूएनडीपी ने बहुआयामी गरीबी के जो प्रारंभिक आंकड़े प्रकाशित किए हैं, वे अलग-अलग वर्षों के हैं। यूएनडीपी द्वारा मूल्यांकन किए गए 81 देशों (जिनके बारे में एजेंसी ने डाटा प्रकाशित किया है) के 150.8 करोड़ गरीब लोगों में से 64.5 करोड़ लोग (2005-06 में) भारत से थे। यानी इन 81 देशों के 42.8 फीसदी से ज्यादा गरीब भारत में रहते थे। लेकिन यूएनडीपी के ताजा आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के इन 81 देशों में गरीबों की कुल संख्या अब घटकर 97.4 करोड़ रह गई है, लेकिन इसमें उल्लेखनीय और दिलचस्प तथ्य यह है कि इस संख्या में भारत का योगदान केवल 23 करोड़ ही है। यानी अब इन 81 देशों के केवल 23.7 प्रतिशत गरीब लोग ही भारत से आते हैं। इसका मतलब यह भी है कि बहुआयामी गरीबी के तहत लोगों की संख्या में कुछ अन्य देशों का योगदान पहले से भी ज्यादा बढ़ गया है। इतना ही नहीं, जहां 81 देशों का संयुक्त बहुआयामी गरीबी सूचकांक अब 0.275 से घटकर 0.203 पर आ गया है, वहीं भारत का सूचकांक 2005-06 के 0.283 से घटकर 2015-16 में 0.122 और 2019-21 में सिर्फ 0.069 पर आ गया है, जो कि एक बड़ी उपलब्धि है। यह भारत के लिए गर्व की बात है। दुनिया को इससे सबक लेने की जरूरत है ।

## मणिपुर में राष्ट्रपति शासन वक्त की जरूरत

आज सरकार अपील कर रही है कि घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर नहीं करें। पर क्या सरकार यह जवाब दे सकती है कि अगर सोशल मीडिया की ताकत नहीं होती तो क्या प्रधानमंत्री आज बयान देने सामने आते क्या सुप्रीम कोर्ट को इस मामले की गंभीरता का पता चल पाता क्या



पूरा देश यह जान पाता कि मणिपुर में स्थिति कितनी भयावह है मणिपुर में महिलाओं के साथ शर्मनाक और दरिंदगी भरी घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वहां की राज्य सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है। सोशल मीडिया की शक्ति ही है कि आज प्रधानमंत्री को मणिपुर पर शर्मशार होना पड़ा और राज्यसभा के मानसून सत्र से पहले बयान देना पड़ा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जो भी गुनहगार होंगे उन्हें किसी भी सूरत में नहीं बख्शा जाएगा। गुनहगार कौन हैं कैसे उनका गुनाह तय होगा उन्हें क्या सजा मिलेगी? यह तो आने वाला समय बताएगा। फिलहाल क्या मणिपुर को बचाने के लिए सरकार वहां राष्ट्रपति शासन नहीं लगा सकती? मणिपुर की बीरेन सरकार अपने दायित्वों को पूरा करने में पूरी तरह असफल साबित हुई है। ऐसे में वहां के लोगों में विश्वास पैदा करने का एकमात्र उपाय राष्ट्रपति शासन है। सबसे बड़ा सवाल है कि जिस घटना ने प्रधानमंत्री को द्रवित कर दिया, जिस शर्मनाक घटना ने सुप्रीम कोर्ट तक को सकते में डाल दिया क्या उस घटना को मणिपुर सरकार ने अब तक दबाए रखा था? यह सवाल इसलिए लाजमी है क्योंकि घटना 4 मई की है। इसकी एफआईआर भी घटना के करीब दो हफ्ते बाद दर्ज है। उस एफआईआर में विस्तार से पूरी घटना को बताया गया है। ऐसे में यह तो कतई संभव नहीं कि वहां की पुलिस और प्रशासन सहित राज्य सरकार को पूरी घटना की जानकारी न हो। आज सरकार अपील कर रही है कि घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर नहीं करें। पर क्या सरकार यह जवाब दे सकती है

# भारत के लोकतंत्र, संविधान को बचाने के लिए विपक्ष है एकजुटः महबूबा मुफ्ती

2024 के लोकसभा चुनावों में अभी समय है, लेकिन चुनावों से पहले ही राजनीतिक दलों के बीच जंग छिड़ गई है। मंगलवार को ँव्झ् ने घोषणा की है कि ऍर्ें के 38 सहयोगियों ने बैठक में अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। मंगलवार को बेंगलुरु विपक्ष की बैठक में शामिल हुईं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी



(झ्झ्) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि भारत के लोकतंत्र और इसके संविधान को बचाने के लिए सभी विपक्षी दल एकजुट हो गए हैं। महबूबा मुफ्ती नेँ ग्घ् से कहा कि सभी विपक्षी दल एकजुट हो गए हैं और हम भारत के लोकतंत्र संविधान को बचाना चाहते हैं। वहीं, मंगलवार को बेंगलुरु विपक्ष की बैठक में शामिल हुईं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (झ्झ्) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि भारत के लोकतंत्र और इसके संविधान को बचाने के लिए सभी विपक्षी दल एकजुट हो गए हैं। विपक्ष की दूसरी बैठक में शामिल होने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचीं महबूबा मुफ्ती नेँ ग्घ् से कहा कि सभी विपक्षी दल एकजुट हो गए हैं और हम भारत के लोकतंत्र, संविधान को बचाना चाहते हैं और गांधीजी की गंगा यमुना तहजीब को बचाना चाहते हैं जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन बलिदान कर दिया। उन्होंने ँव्झ् पर हमला बोलते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी संविधान, लोकतंत्र और लोगों के अधिकारों को खत्म करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि देश में जो हो रहा है वह सही नहीं है। गांधी के भारत को बदलने के लिए हमारे संविधान, लोकतंत्र और लोगों के अधिकारों को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। महबूबा मुफ्ती ने साधाँ व्झ् पर निशाना उन्होंनेँ व्झ् पर निशाना साधते हुए कहा कि महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है लेकिन किसी को इसकी चिंता नहीं है। वहीं दूसरी ओर लोगों को आपस में लड़ाने की कोशिश की जा रही है। इससे पहले मंगलवार को देश भर के 26 विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं ने 2024 के लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले केंद्र में सत्तारूढ़ ऍर्ें गठबंधन से मुकाबला करने के लिए एकजुट रणनीति पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को बेंगलुरु में मुलाकात की। मंगलवार की बैठक में विपक्षी नेता गठबंधन के लिए एक नाम लेकर आए और घोषणा की कि इसे भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (घ्र्हीह ूीदर्हेत् अनत्दज्सर्हैत् घ्हम्त्त्ेर्ने त्त्ैहम) या इंडिया कहा जाएगा।कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पहले हम ळर्ईं थे और अब सभी 26 पार्टियों ने विपक्ष को एक नाम दिया है और वह है ''भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (घ्र्ऍर्ीं)। इस पर सभी ने सहमति जताई और नाम का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। 23 जून को पटना में मिले 26 दलों से 10 से अधिक दलों के प्रतिनिधियों ने अभियान प्रबंधन और समन्वय के लिए सभी प्रमुख दलों और दिल्ली में सचिवालय सहित 11 सदस्यीय समन्वय समिति गठित करने का भी निर्णय लिया। विभिन्न उप-समितियों का कामकाज, जो विशिष्ट मुद्दों पर विचार करेगी। विपक्ष की अगली बैठक मुंबई में होगी; तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। 11 सदस्यीय समन्वय समिति गठित की जाएगी। खड़गे ने कहा कि समिति के सदस्यों के नामों की घोषणा मुंबई में की जाएगी।

## आसमानी आफत में हिमालय; भविष्य की पारिस्थितिकीय असुरक्षा की ओर ले जा रहे मौजूदा हालात

मौजूदा हालात हमें भविष्य की पारिस्थितिकीय असुरक्षा की तरफ ले जा रहे हैं। जिस तरह से पहाड़ टूट रहे हैं और लगातार भू-स्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं, एक दिन ऐसा भी हो सकता है कि हिमालय अपना अस्तित्व खो दे। इसलिए हिमालय को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंतन-मंथन होना चाहिए। यह मात्र पहाड़ को बचाने के लिए नहीं, बल्कि देश की पारिस्थितिकी सुरक्षा को भी बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण होगा। इसके साथ सीमा सुरक्षा भी अपने आप जुड़ जाती है। दइस बार की बारिश ने एक बार फिर से उत्तराखंड में 2013 की केदारनाथ त्रासदी की यादें ताजा कर दी हैं। हालांकि लगातार 72 घंटों से ज्यादा समय तक हुई बारिश से पूरे देश के विभिन्न हिस्से प्रभावित हुए हैं, लेकिन बारिश का सबसे ज्यादा असर अगर कहीं पड़ा है, तो वह पहाड़ी क्षेत्र ही है। हिमाचल प्रदेश के हालात तो बहुत गंभीर हो गए हैं। मनाली, मंडी जैसे पर्यटक स्थल आज पूरी तरह सूने हो चुके हैं। एक बार फिर जनमानस में उसी भय ने जगह बना ली है, जो केदारनाथ त्रासदी के कारण हुई थी। जान-माल के भारी नुकसान की खबरें भी हैं और आने वाले समय में ही पूरे नुकसान का आकलन किया जा सकेगा। स्वयं प्रधानमंत्री ने इन सभी क्षेत्रों में भारी बारिश से हुए नुकसानों की जानकारी ली। जाहिर है, प्रधानमंत्री की चिंता हिमालय के प्रति है।दुनिया के बदलते पर्यावरण का अगर किसी को सबसे बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ता है, तो वह हिमालय क्षेत्र ही है। पृथ्वी का औसत तापमान 17 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। वर्ष 2016 से 2022 के बीच में यह करीब 12 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच में झूल रहा था। वर्ष 2016 में औसत तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस था, जो अब 17 डिग्री सेल्सियस का आंकड़ा पार कर चुका है। इसका सीधा असर समुद्रों पर पड़ता है, क्योंकि पृथ्वी में सबसे ज्यादा समुद्र ही हैं। जब कभी समुद्र का तापक्रम बढ़ेगा, तो स्वाभाविक है कि वाष्पोत्सर्जन होगा और यही टुकड़ों-टुकड़ों में बारिश बनकर जगह-जगह कहर ढाता रहेगा।प्रकृति के चक्र को तो हम समझते ही हैं कि गर्मियों में मानसून समुद्र से उत्पन्न होता है और यह उत्तर भारत का रुख करता है, जिससे देश में इस समय बारिश होती है। लेकिन इस बार हमने देखा कि जून आने और मानसून के उत्पन्न होने से पहले ही बारिश पड़ी थी। यह सबसे बड़ा संकेत था कि समुद्र में उत्पन्न वाष्पोत्सर्जन और उसके साथ चली हुई हवाएं और तापक्रम का अंतर ही उस बारिश को लाया था, जिसे हमने पश्चिमी विक्षोभ का असर बताया था। पर अब हालात बदले हुए हैं। लगातार औसत तापमान के बढ़े होने के कारण समुद्र में तूफान तो चलेंगे ही, लेकिन पृथ्वी पर कब किस समय वर्षा हो जाए, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकेगा। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की रिपोर्ट ने भी बताया था कि जिस तरह से पृथ्वी के तापमान में अंतर आ रहा है, कई हलचलों के अलावा अगर इसका सबसे बड़ा प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, तो वह सीधे पहाड़ों पर पड़ेगा। इसे सरल तरीके से इस तरह समझा जा सकता है कि धरती के बढ़ते तापमान और उसके कारण समुद्र में हुए वाष्पोत्सर्जन के कारण मैदानी इलाकों में उमस बढ़ती है। समुद्र में वाष्पोत्सर्जन के कारण उठी हवाएं जब पहाड़ की ओर चलती हैं, तो वहां तापक्रम में कमी पाने पर बरस जाती हैं।हमें यह समझना होगा कि हिमालयी क्षेत्र देश का एक हिस्सा मात्र नहीं है, बल्कि वह प्राकृतिक संसाधनों-हवा, मिट्टी, जंगल, पानी का स्रोत है, क्योंकि आज भी सबसे ज्यादा वन, नदियां और हिमखंड, जिनके ऊपर दो अरब लोगों का जीवन निर्भर है, का स्रोत हिमालय ही है।

# फार्मा क्षेत्र की साख, गुणवत्ता में हानि से विश्व बाजार में धूमिल हो रही भारत की प्रतिष्ठा

वैश्विक फार्मा बाजार में हमारी हिस्सेदारी 13 फीसदी और टीकों के मामले में हमारी हिस्सेदारी 60 प्रतिशत है। भारत जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्माता भी है। पर निर्यात बाजार में दवा नियमों व भारतीय दवाओं के अप्रभावी या हानिकारक होने की घटनाओं से इस क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंच रहा है। जनवरी, 2020 में हिमाचल प्रदेश स्थित डिजिटल विजन द्वारा निर्मित दवा कोल्डबेस्ट पीसी कफ सिरप का सेवन करने के बाद जम्मू में 12 बच्चों की मौत हो गई। उस दवा में डायथिलीन ग्लाइकोल पाया गया, जिससे किडनी में जहर फैल जाता है। गुणवत्ता परीक्षण में विफल होने के बावजूद डिजिटल विजन को विभिन्न राज्यों और केंद्रीय दवा प्रयोगशालाओं द्वारा 19 मौकों पर हरी झंडी दी गई थी। उस घटना के बाद हिमाचल के राज्य नियामक ने भी मौके पर किए गए निरीक्षण में दवा बनाने में गुणवत्ता का दोष पाया छह महीने बाद इसी कंपनी के एक और उत्पाद के सेवन से हिमाचल के एक बच्चे की मौत हो गई। मार्च, 2021 में एक और दवा में परीक्षण एजेंसियों द्वारा सक्रिय संघटक के निम्न स्तर पाए गए। इतने पर भी दवा कंपनी के खिलाफ कार्रवाई बहुत प्रभावी नहीं रही। ऐसे मामलों में दवा निर्माताओं के खिलाफ मामला बनाना चुनौतीपूर्ण रहा है। देश में 36 ड्रग रेगुलेटर हैं, फिर भी ऐसी घटनाएं होती रहती हैं भारत विश्व स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्माता है। वैश्विक फार्मा बाजार में हमारी हिस्सेदारी 13 फीसदी है और हम 200 से अधिक देशों को दवाओं की आपूर्ति करते हैं। टीकों के मामले में तो हमारी वैश्विक हिस्सेदारी 60 प्रतिशत है। इस तरह भारत दुनिया भर में गरीबों के जीवन में बदलाव की प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है। फार्मा सेक्टर के विकास के लिए उद्यमियों ने लंबा संघर्ष किया है। पर निर्यात बाजार में दवा नियमों और भारतीय दवाओं के अप्रभावी या हानिकारक होने की अपमानजनक घटनाओं से इस क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

48 आम दवाएं हाल ही में गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में विफल रही हैं। उच्च रक्तचाप, एलर्जी और जीवाणु संक्रमण के लिए भारतीयों द्वारा नियमित रूप से ली जाने वाली तमाम दवाओं का करीब तीन प्रतिशत विनियामक निरीक्षकों की नमूना जांच में घटिया पाया गया है। विगत फरवरी में तमिलनाडु की



एक फर्म ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर द्वारा अमेरिका को निर्यात किए गए आई ड्रॉप्स के एक पूरे बैच को वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि इससे आंखों को नुकसान पहुंच सकता था। मैडान फार्मास्यूटिकल्स और मैरियन बायोटेक द्वारा देश में बनाए गए कफ सिरप को 2022 में क्रमशः गांबिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत से जोड़ा गया था। हालांकि भारत के ड्रग रेगुलेटर ने ऐसे किसी संबंध से इन्कार करते हुए कहा कि इसकी सैंपल जांच में कोई जहरीला पदार्थ नहीं पाया गया है। दवाओं की गुणवत्ता मामलों का निजी और सामाजिक, दोनों ही तरह का असर पड़ सकता है। कई बार एजिथ्रोमाइसिन जैसी सामान्य दवा कम प्रभावी पाई गई है। भारत के औषधि महानियंत्रक (डीजीसीआई) द्वारा 20 राज्यों की 76 फर्मों के निरीक्षण के बाद 18 फार्मा कंपनियों के विनिर्माण लाइसेंस रद्द करने के साथ केंद्र सरकार दवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए कदम उठा रही है। वैसे अभी और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। इस बीच, वैश्विक नियामकों की कार्रवाई भी जारी है। नवंबर, 2019 से विगत नवंबर तक यूएस एफडीए ने 60 आधिकारिक कार्रवाइयों (ओएआई) के बारे में संकेत दिए हैं। एफडीए के चुनिंदा निरीक्षणों में पाया गया है कि कुछ बड़े फार्मास्यूटिकल खिलाड़ियों द्वारा खासकर कैंसर संबंधित और इंसुलिन दवाओं के निर्माण में माइक्रोबायलॉजिकल संदूषण को रोकने के लिए स्थापित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया जा रहा है। ऐसे मामलों में फंगल से बचने के तरीके तक अमल में नहीं लाए जा रहे। दवाओं की गुणवत्ता के मामले में ऐसी लापरवाही खतरनाक है, जिससे दुनिया में भारत की साख प्रभावित हो रही है। जाहिर है कि फार्मा क्षेत्र में ठोस विनियामकीय सुधार की आवश्यकता है। इसके लिए स्वास्थ्य मंत्रालय सभी फार्मा निर्माताओं पर प्रभावी निगरानी के लिए दवाओं के केंद्रीकृत डाटाबेस को बढ़ावा देने की पहल के साथ ड्रग्स ऐंड कॉस्मेटिक्स ऐक्ट (1940) में संशोधन कर सकता है। यदि संघीय-राज्य सहयोग इसकी अनुमति देता है, तो देश के 36 क्षेत्रीय नियामकों को एक एकल नियामकीय व्यवस्था की शक्ल दी जा सकती है। इससे स्थानीय व राज्य स्तर पर नियामकीय प्रक्रिया को प्रभावित करने के जोखिम न्यूनतम हो जाएंगे नियामकीय सशक्तता के लिए राज्यों में सामान्य दवा मानकों की भी जरूरत है। देश में 10,000 से अधिक दवा निर्माण इकाइयां हैं, जिनमें से 2,000 को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्रामाणिक पाया है। ऐसी इकाइयां 3,000 से अधिक फर्मों के स्वामित्व में हैं, जिनमें हजारों उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन सभी को विनियमित करने का अर्थ है- निरीक्षण की एक बड़ी जवाबदेही। अतीत में नियमित जांच के दौरान महज सक्रिय अवयवों की कमी पर रोशनी डाली गई है। 2013 में तमिलनाडु में एक एंट्री एलर्जिक दवा को सिर्फ ग्लिपीजाइड का इस्तेमाल न होने के कारण गैरमानकीय करार दिया गया था। राज्य दवा नियंत्रकों के तहत निरीक्षण टीमों को मजबूत करने और निरीक्षण अवधि को कम और नियमित करने के लिए अतिरिक्त बजटीय सहायता की जरूरत है। भारत में बनी दवाओं के प्रति भरोसा बढ़ाने के लिए नियामकीय प्रक्रिया का पारदर्शी और प्रभावी होना जरूरी है। इसके अलावा हमें पिछली गंभीर नियामकीय व गुणवत्ता संबंधी उल्लंघनों का डाटाबेस भी सार्वजनिक करना चाहिए। ड्रग रिकॉल पर एक राष्ट्रीय कानून के लिए भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह प्रस्ताव 1976 से लटका पड़ा है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) का वैधानिक सामर्थ्य बढ़ाना चाहिए और इसके लिए स्वतंत्र निकाय के रूप में एक केंद्रीय औषधि प्राधिकरण बनाने के लिए ड्रग्स ऐंड कॉस्मेटिक्स (संशोधन) विधेयक, 2013 की तरह एक बिल तैयार व पारित करना चाहिए। देश के विश्व प्रसिद्ध फार्मास्यूटिकल उद्योग को साधारण जेनेरिक दवाओं के निर्माण से आगे गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक व नवोन्मेषी दवाओं के निर्माण से जुड़े उद्योग की ओर बढ़ना चाहिए। इक्वाडोर, पनामा और नाइजीरिया जैसे देशों ने हाल ही में भारतीय जेनेरिक दवाओं में अपनी बढ़ी दिलचस्पी जाहिर की है। भारत सरकार ने शून्य दोष के साथ 'मेक इन इंडिया' की बात की है। इसी आलोक में देश के दवा उद्योग से जुड़ी चुनौती पर खरा उतरने के लिए संकल्पपूर्वक आगे बढ़ना होगा।

## संक्षिप्त समाचार

### सेवानिवृत्त आई ए एस सुरेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में बनी एसआईटी

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**देहरादून।** पिछले दिनों जिलाधिकारी देहरादून को रजिस्ट्री कार्यालय में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। इसी क्रम में जनसुनवाई कार्यक्रम में पहुंची पूर्व आईएएस प्रेमलाल से संबंधित भूमि की शिकायत से मामला सामने आया देहरादून में सब रजिस्ट्रार कार्यालयों में रजिस्ट्रियों में गड़बड़ी और जालसाजी की जांच के लिए सेवानिवृत्त आईएएस सुरेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन कर दिया गया है। एसआईटी में पुलिस की ओर से डीआईजी लॉ एंड ऑर्डर पी रेणुका देवी और निबंधन की ओर से एआईजी स्टांप अतुल कुमार शर्मा को बतौर सदस्य शामिल किया गया है। इस संबंध में वित्त विभाग ने मंगलवार को आदेश जारी किए हैं। इस एआईटी में विशेष सदस्य शामिल किए जा सकते हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों जिलाधिकारी देहरादून को रजिस्ट्री कार्यालय में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। इसी क्रम में जनसुनवाई कार्यक्रम में पहुंची पूर्व आईएएस प्रेमलाल से संबंधित भूमि की शिकायत से मामला सामने आया। रानीपोखरी क्षेत्र में इस 60 बीघा जमीन को फर्जीवाड़ा कर दूसरे लोगों के नाम किया गया था। इसमें पीलीभीत के दो लोगों के नाम सामने आए थे। साथ ही जिलाधिकारी ने तीन और मामलों की जांच कराई तो उनमें भी इसी तरह की गड़बड़ी सामने आई। पता चला कि भू-माफिया और अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से रजिस्ट्रार कार्यालय में रखी जिल्दों में से पुरानी रजिस्ट्री के कागज फाड़कर उनके स्थान पर फर्जी लगाए गए हैं। इस तरह भूमि को बेचने, दान करने वाले लोगों का ब्योरा बदला गया। पता चला कि यह सब 1978 से 1990 के बीच हुई रजिस्ट्रियों में किया गया है। पिछले दिनों जिलाधिकारी के आदेश पर शहर कोतवाली में एक मुकदमा अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया।

# रबूपुरा में भारतीय किसान यूनियन (भूमि पुत्र) की बैठक हुई

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नोएडा।** भारतीय किसान यूनियन (भूमिपुत्र) की एक बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धीरेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में गौतमबुद्ध नगर के रबूपुरा कस्बे में मीणा धर्मशाला में संपन्न हुई जिसमें किसानों की समस्याओं पर विचार किया गया, वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा जेवर टोल पर स्थानीय किसानों को आधार कार्ड दिखाकर निशुल्क टोल पार कराया जाए एवं यमुना अथॉरिटी में स्थानीय किसानों के बच्चों को नौकरी दी जाएं एवम यहां पर जो बाहर से बड़ी-बड़ी कंपनियां आ रही हैं उनमें नोकरियों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाए , राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धीरेंद्र प्रताप सिंह ने केन्द्र सरकार से किसान आयोग के गठन की मांग की, उन्होंने कहा कि किसान आयोग का अध्यक्ष किसान को ही बनाया जाय और इसके के सदस्य किसान होने चाहिए, सभा का संचालन मुकेश भाटी ने किया इस अवसर पर रवि राघव, बच्चू सिंह राणा , दयानंद राजावत, महावीर सिंह, धर्म सिंह, सर्वेश राणा, मनोज राणा, आकाश पंडित,पिंटू मीणा, सुरेश मीणा, उमेश भाटी, कासिम,दानिश, प्रमोद कुमार आदि किसान यूनियन के सदस्य उपस्थित रहे।

# बाढ़ पीड़ित परिवार जनों को जरूरत मंद सामग्री का सहयोग के लिए उठे हाथ

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नोएडा।** कुछ दिनो पहले भारी वर्षा होने के कारण, यमुना नदी का जल स्तर अचानक बढ जाने के कारण उनके घर और खेतो में अचानक पानी भर गया । उन्हें पास की जगह पर जा कर रहना पड़ा । आज हमने बाढ़ से प्रभावित एरिया नौरंगा बाद, रायपुर, सेक्टर 126, नोएडा बाढ़ से पीड़ित परिवार जनों से इस आपदा के समय उनसे बात चीत की, उनके खाने पीने की परेशानी को सुना, एवं उससे जरूरत मंद सम्मान उन्हें महिला उन्नति संस्था(भारत) की रेनू बाला शर्मा ने आटा, चावल,चीनी, पत्ती, दाल, बिस्कुट और अन्य खाने की सामग्री का सहयोग कर उन्हे राहत दी । इसके अतिरिक्त बजुर्ग महिलाओं उनके अपने घर बनाने में उनकी कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए, उन्हें साड़ी ओढ़ा कर गृह लक्ष्मी सम्मान देकर सम्मानित किया । अन्य पीड़ित लोगो को वस्त्र आदि भी दिए । इस मौके पर छोटे छोटे बच्चो को शिक्षा का महत्व बताते हुए जागरूक किया, एवं उनको पढ़ने के लिए किताबे आदि भी दी । बाढ़ आदि से पीड़ित परिवारों को सहयोग देकर एवं उनके चेहरे पर चमक और मुस्कान देख कर बहुत खुशी महसूस हो रही थी । इस नेक कार्यक्रम में मेरे साथ जिले से मीना गौतम, कविता सिंह, उमा जैसवाल एवं कुसुम पथरिया उपस्थित रही । आए हम सब मिलकर इस नेक कार्य के लिए कंधे से कंधा मिलाकर आगे आए ।

## गुलशन बलिना सोसायटी की रजिस्ट्री में हो रही है देरी

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नोएडा।** ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्तिथ गुलशन बलिना सोसाइटी की फेज 1 की धीमी गति से चल रही रजिस्ट्री और फेज 2 की लंबे समय से अटकी हुई ओसी और रजिस्ट्री के संबंध में दादरी क्षेत्र के विधायक तेजपाल नागर को पूर्व में दिये ज्ञापन और उनके प्रयास से उस समय बिल्डर द्वारा दी गई समय सीमा पूर्ण होने के पश्चात भी यथोचित परिणाम ना मिलने पर सोसाइटी निवासी अविनाश सिंह एवं देवेंद्र सिंह ने विधयक को पुनः ज्ञापन दिया । अविनाश सिंह ने बताया कि विधायक ने आश्वस्त किया है कि बिल्डर पर दवाब बनाकर रजिस्ट्री प्रक्रिया को जल्द पूर्ण करवाया जाएगा । देवेंद्र सिंह ने आगे बताया कि सोसाइटी की अन्य समस्याओं जैसे सर्विस रोड पे गति अवरोधक , पुलिस बूथ का निर्माण इत्यादि के लिए विस्तृत चर्चा की गई और विधायक प्रतिनिधि दीपक यादव ने इन्हें ऑथोरिटी में जुलाई के अंतिम सपताह में मीटिंग करके इसको भी शीघ्र पूर्ण करवाने का आश्वाशन दिया।

# मणिपुर हिंसा के विरोध में सपा नोएडा महिला सभा का कैंडल मार्च

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नोएडा।** मणिपुर हिंसा के विरोध में समाजवादी पार्टी नोएडा महिला सभा के द्वारा बबली शर्मा के नेतृत्व में मारे गए लोगों के प्रति कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई, केंद्र सरकार से आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई, बबली शर्मा व राम सहेली ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई दरिंदगी भाजपा शासित सरकार की असफलता है, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव ने अपने शासनकाल में महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा का विशेष ख्याल रखा, प्रदर्शन में शामिल मुख्य लोगों में बबली शर्मा ,राम सहेली, अर्चना ठाकुर, रुचि यादव ,अनु शर्मा, वैष्णवी शर्मा, रचना बाल्मीकि मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

रायपुर सेक्टर 126 में कैंडल मार्च निकाला गया वह राम सहेली के नेतृत्व में सेक्टर 66 मामूरा में कैंडल मार्च निकाला गया, यहां हिंसा में मारे गए लोगों के प्रति कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई, केंद्र सरकार से आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई, बबली शर्मा व राम सहेली ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई दरिंदगी भाजपा शासित सरकार की असफलता है, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव ने अपने शासनकाल में महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा का विशेष ख्याल रखा, प्रदर्शन में शामिल मुख्य लोगों में बबली शर्मा ,राम सहेली, अर्चना ठाकुर, रुचि यादव ,अनु शर्मा, वैष्णवी शर्मा, रचना बाल्मीकि मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

# सांसद डॉ महेश शर्मा ने किया हिंडन नदी में आए बाढ़ से प्रभावित गाँव का निरीक्षण

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नोएडा।** में हिंडन नदी में आए बाढ़ से प्रभावित गांव छिजारसी में सांसद डॉ महेश शर्मा ने भ्रमण किया। उन्होंने वहाँ रह रहे ग्रामीणों से उनका कुशल क्षेम जाना तथा स्थानीय प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राहत अभियानों की समीक्षा भी की। उन्होंने स्थानीय लोगो से बात भी की और उनको हर संभव सुविधा मुहिया करने का आश्वासन दिया। इस दौरान गौतम बुद्ध नगर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह, स्थानीय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता, उमेश त्यागी, गणेश जाटव, व पार्टी के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

# भाजपा महिला मोर्चा ने मोटा अनाज प्रोत्साहन कार्यक्रम किया

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नोएडा।** श्री अन्न (मोटा अनाज) के प्रोत्साहन अभियान के अंतर्गत नोएडा महानगर में भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती शारदा चतुर्वेदी की अध्यक्षता में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया दइस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवम् मुख्य अतिथि प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं नोएडा महानगर महिला मोर्चा प्रभारी श्रीमती नेहा राणा की गरिमामई उपस्थिति। केन्द्र सरकार द्वारा श्री अन्न जो भारत की माटी मैं पैदा होने वाला वो मोटा अन्न है जिसके फादे को लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा किसानों के हित में इस कार्यक्रम का बृहद रूप में प्रदेश स्तर पर जिले स्तर पर और मंडल स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा महिला मोर्चा की महिलाओं द्वारा श्री अन्न से बने हुए व्यंजन , मिठाइयां, नमकीन इत्यादि बनाकर लाकर एक साथ इकट्ठा होकर खाती है और सभी को खिलाती है। श्री अन्न से बने व्यंजनों को बनाने की विधि भी एक दुसरे को शेयर करती हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों द्वारा उत्पादित श्री अन्न को विश्व पटल पर रखना और इसके महत्व से सभी को अवगत कराना है। मुख्य वक्ता श्रीमती नेहा राणा जी ने श्री अन्न के फायदों से सभी को अवगत करने के साथ श्री अन्न को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया, उन्होंने बताया कि इसके श्री अन्न के उपयोग से शुगर, हाई ब्लड प्रेशर, वजन कम करना , गैस की समस्या, हड्डियों से सम्बंधित समस्या इत्यादि से चमत्कारिक रूप से राहत मिलती है, सभी बहनों से आग्रह किया कि सभी बहनें अपने रसोईघर में इन सभी अन्न से बनने वाले भोजन को शामिल करें साथ ही सभी को प्रोत्साहित करें। अध्यक्षा श्रीमती शारदा जी ने सभी से अनुरोध किया कि सभी बहनें आज से इन सभी मोटे अनाज से बनी वस्तुओं का इस्तेमाल शुरू कर दें। इस कार्यक्रम की महानगर संयोजिका श्रीमती राजश्री गुप्ता जी महामंत्री श्रीमती मधु मेहता, श्रीमती शिवानी शरद, उपाध्यक्ष श्रीमती दीपाली दीक्षित, रेनू बाला शर्मा, वंदना शर्मा, मिडिया प्रभारी नीता वाजपेई,जिला प्रभारी श्रीमती रेखा सिंह जिला मंत्री श्रीमती शारदा पुष्प, श्रीमती नीलम गुप्ता, श्रीमती मंजू भारद्वाज मंडल अध्यक्ष श्रीमती उषा किशोर,आशा पोद्दार, किरन वुशवाहा,पूनम सिंह, उमा मिश्रा, साइमा चौधरी सहित मंडल की सभी सम्मानित बहनों का इस कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान सहित गरिमामई उपस्थिति रही।

## संयुक्त किसान मजदूर संगठन का हुआ गठन

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नोएडा।** दिल्ली में प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में संयुक्त किसान मजदूर संगठन (अराजनीतिक) का गठन किया गया जिसमें प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यपाल आदरणीय श्री सत्यपाल मलिक जी ने दीप प्रज्जवलित किया व सभी सम्मानित साथियों ने सभी अतिथियों को फूल माला व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया संयुक्त किसान मजदूर संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम पंडित, संयुक्त किसान मजदूर संगठन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट दिनेश अवाना, संयुक्त किसान मजदूर संगठन राष्ट्रीय महासचिव शाहबुद्दीन व अन्य लोग मौजूद रहे।

# राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरु दक्षिणा कार्यक्रम सम्पन्न

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नोएडा।** सेक्टर 82 पाकेट 7 शिव मंदिर परिसर में आर एस एस ने गुरु दक्षिणा कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ओम प्रकाश अग्रवाल एवं कार्यक्रम का संचालन राजवीर सिंह ने किया। कार्यक्रम का श्रीगणेश दीप प्रज्वलन से किया गया। कार्यक्रम में छोटे छोटे बच्चों ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में अमृत वचन का वाचन बिष्णु शर्मा ने किया डा शिव कुमार पाण्डेय आर एस एस की मुख्य विचार यह है कि भारत वर्ष हिन्दू राष्ट्र था और रहेगा।यह अनादि काल से चला आ रहा है। हमारे पास वीरता का इतिहास है।यह वीरों की धरती है। यहां पर परंपरागत से जो हिन्दू है हम उन्हें स्वीकार करते हैं।देश के लिए जो हमारा ऋण है उसे दक्षिणा के रूप में मुझे देना चाहिए। गुरु दक्षिणा एक समर्पण का बिषय है। यह हमारे लिए देश प्रेम है। हमारा समाज के प्रति उत्तरदाई होना चाहिए समाज के प्रति जागरूक होना चाहिए। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से रमेश चंद्र शर्मा, वीरेंद्र कुमार, गोरे लाल, विष्णु शर्मा, संजय पांडेय,नवल मिश्रा, ब्रम्ह देव गुप्ता, हंस मणि शुक्ल,राजेश कुमार, महेंद्र कुमार शर्मा, हरि शंकर सिंह, संगम प्रसाद मिश्र,एस के तिवारी, अनिल कुमार शर्मा,राजेश राघव, शैलेश द्विवेदी, रवि राघव,श्रीराम तिवारी, अमितेश कुमार, दीपक तिवारी, ब्रज किशोर, शम्भू नाथ, चंद्र कान्त सिंह,उत्तम चंद्रा, विवेक कुमार सिंह, प्रेम प्रकाश तिवारी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# राजकीय संग्रहालय में आयोजित सप्तरंग कार्यक्रम में बच्चों ने दिखाया अपनी प्रतिभा का हुनर

## डॉ. संदीप सरावगी ने विजेताओं को विनर ट्रॉफी देकर किया सम्मानित

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**झाँसी।** क्रोचेट म्यूजिक कंपनी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संग्रहालय में सप्तरंग अब झांसी दिखाएगा अपना हुनर कार्यक्रम में झांसी के प्रतिष्ठित समाजसेवी संघर्ष सेवा समिति अध्यक्ष डॉ. संदीप सरावगी, धर्मपत्नी सपना सरावगी, विशिष्ट अतिथि डॉ. मोनिका गोस्वामी ज्यूरी की भूमिका निभा रहे (वरिष्ठ साहित्यकार पत्रकार) डॉक्टर पवन गुप्ता 'तूफान', (संगीत अध्यापिका) वीणा झा, (अंतर्राष्ट्रीय कथक आर्टिस्ट) शगुफ्ता खान द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दीप प्रज्वलन के पश्चात समाजसेवी डॉ संदीप सरावगी, धर्मपत्नी सपना सरावगी को पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों से लेकर बड़ों ने नृत्य, गायन एवं कविता सुनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का ध्यान एवं जूरी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं ज्यूरी के अंतिम निर्णय के अनुसार विजेताओं को डॉ. संदीप सरावगी ने ट्रॉफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष निवेदन पर लखनऊ से झांसी पधारी हुई दूरदर्शन एवं आकाशवाणी गायिका डॉ. जया श्रीवास्तव साथ में आई हुई शहर जावेद फारूखी ने उपस्थित होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर समाजसेवी डॉ. संदीप सरावगी ने कहा कि बच्चों में सदैव ईश्वर का वास होता हैं। बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं। आगे बढ़ने का अवसर देकर बच्चों को हर क्षेत्र में आने वाली कठिनाइयों से निपटने के लिए तैयार किया जा सकता है, जिससे देश के विकास में अपना अमूल्य योगदान दे सकें। संघर्ष सेवा समिति ऐसे ही प्रतिभावान बच्चों को आगे बढ़ाने का कार्य करती है जो भविष्य में देश की सेवा कर सकें। कार्यक्रम में क्रोचेट म्यूजिक प्रस्तुत सप्तरंग प्रतियोगिता में कविता प्रथम अंकिता सेठ, द्वितीय निकिता, डांस जूनियर प्रथम आरोही सोनी, द्वितीय हर्षाली तिवारी, तृतीय कृपा, सीनियर डांस केटेगरी प्रथम मोनिका पटेरिया, द्वितीय दिव्यांशी सिंह, तृतीय ओजस्वनी अग्रवाल, गायन प्रतियोगिता सीनियर, प्रथम हेमंत पांडेय, द्वितीय सुरेंद्र सिंह, तृतीय गरिमा सोनी, जूनियर गायन प्रतियोगिता में प्रथम अमुख पस्तोर द्वितीय गायू गर्ग, तृतीय निलब्जो घोष विजयी रहे। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. आर्या प्रबुद्ध ,यसवी खरे तरुन साहू , अंजलि चौधरी , शिवानी शाक्य, जी विजयी का योगदान रहा। इस अवसर पर अशोक रायकवार (जिला अध्यक्ष निषाद पार्टी), नीरज सिहोतिये (सभासद कैंट) त्रिलोक कटारिया, राजीव सिंह रजक, लखन लाल सक्सेना, मीना मसीह, हाजरा रब, नीलू रायकवार सहित अन्य लोग मौजूद रहे। मंच का संचालन रिया झा द्वारा एवं आभार आयोजक डॉ. रविकांत एवं डॉ. आर्य प्रबुद्ध ने व्यक्त किया।

# श्री रामकथा के लिए भूमि पूजन संपन्न हुआ

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नोएडा।** श्री रामराज फाउंडेशन और हनुमान सेवा न्यास की ओर से नोएडा स्टेडियम, सेक्टर 21-ए, गौतम बुद्ध नगर, में 27-07-2023 से 04-08- 2023 तक अपराह्न 3.00 बजे से 7.00 बजे तक श्री राम कथा का आयोजन के लिए आज नोएडा में भूमि पूजन संपन्न हुआ। भूमि पूजन में पूज्य गुरुदेव भगवान के सभी सेवार्थ सम्मिलित हुए और विधि विधान से एक साथ पूजन किया। पंडाल में सभी व्यवस्थाओं पर आयोजन समिति ने चर्चा करते हुए जल , पार्किंग , सुरक्षा इत्यादि पर सूक्ष्म चर्चा हुई । शहर से बड़े स्तर पर सेवा प्रदान करने के लिए महिला और युवा कार्यकर्ताओं की टीम तैयार हो रही है जो आये हुए श्रद्धालुओ को किसी भी असुविधा पर सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे , प्रशासन से भी पूरे सहयोग का आश्वासन प्राप्त हुआ।

## मणिपुर हिंसा के विरोध में सपा नोएडा महिला सभा का कैंडल मार्च

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नोएडा।** मणिपुर हिंसा के विरोध में समाजवादी पार्टी नोएडा महिला सभा के द्वारा बबली शर्मा के नेतृत्व में सेक्टर 66 मामूरा में कैंडल मार्च निकाला गया, यहां हिंसा में मारे गए लोगों के प्रति कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई, केंद्र सरकार से आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई, बबली शर्मा व राम सहेली ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई दरिंदगी भाजपा शासित सरकार की असफलता है, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव ने अपने शासनकाल में महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा का विशेष ख्याल रखा, प्रदर्शन में शामिल मुख्य लोगों में बबली शर्मा ,राम सहेली, अर्चना ठाकुर, रुचि यादव ,अनु शर्मा, वैष्णवी शर्मा, रचना बाल्मीकि मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

# बॉक्स ऑफिस पर 'मिशन इम्पॉसिबल 7' का तहलका, 100 करोड़ के करीब पहुंची 'सत्यप्रेम की कथा'

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** फिल्मी दुनिया में जून और जुलाई के महीने में अलग-अलग जॉनर की कई फिल्में रिलीज हुईं। इनमें इंडिया से कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की 'सत्यप्रेम की कथा' तो दूसरी ओर हॉलीवुड से आई 'मिशन इम्पॉसिबलः डेड रिकॉनिंग पार्ट वन' अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुई है। इसके अलावा राजस्थान के अजमेर में हुए स्कैंडल पर बनी फिल्म 'अजमेर 92' ने भी इस शुक्रवार सिनेमाघरों में दस्तक दी। जानेंगे कि इन फिल्मों का टोटल कलेक्शन कितना हुआ। टॉम क्रूज की फेमस हॉलीवुड फ्रेंचाइजी फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल' का सातवां हिस्सा दुनियाभर में शानदार कमाई कर रही है। इंडियन बॉक्स ऑफिस पर भी यह फिल्म खूब पसंद की जा रही है। यह तब है जब हालिया रिलीज हुई क्रिस्टोफर नोलन की 'ओपेनहाइमर' का जादू रिलीज हुई बाकी सभी फिल्मों पर भारी पड़ता दिख रहा है। 'मिशन इम्पॉसिबल 7' 12 जुलाई को रिलीज हुई थी और 12 दिनों में फिल्म ने टिकट विंडो पर शानदार बिजनेस किया है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, 12वें दिन मूवी का 5.85 करोड़ का नेट बिजनेस हुआ है। इससे फिल्म का टोटल इंडियन कलेक्शन 92.5 करोड़ हो गया है। बॉलीवुड फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' 100 करोड़ की कमाई के करीब पहुंच गई है। फिल्म पहले ही हिट हो चुकी है और अगर 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेती है, तो सुपरहिट का टैग हासिल कर लेगी। फिल्म को रिलीज हुए 25 दिन बीत चुके हैं। शुरुआत में करोड़ों की कमाई करने वाली यह फिल्म अब लाखों में कमा रही है। लेकिन इसकी सक्सेस पर कोई आंच नहीं आई।'सत्यप्रेम की कथा' ने 25वें दिन 65 लाख कमाए हैं। इसके अनुसार इसका टोटल कलेक्शन 81.96 करोड़ हो गया है। 21 जुलाई को रिलीज हुई 'अजमेर 92' ने 30 लाख रुपये से ओपनिंग ली। दूसरे दिन यानी कि शनिवार को फिल्म की कमाई में उछाल आया और 38 लाख का टोटल कलेक्शन किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने रविवार को 39 लाख की कमाई की है। इस लिहाज से इसका टोटल बिजनेस 1.07 करोड़ हो गया है। इन फिल्मों के अलावा विद्या बालन की 'नीयत' और आमिर बशीर की '72 हूरें' बॉक्स ऑफिस पर अपना वजूद बनाए रखने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाती दिखीं, लेकिन अब यह फिल्में दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहीं। 'नीयत' का कलेक्शन 5.79 करोड़ पर आ रुका है। जबकि, '72 हूरें' का 1.6 करोड़ पर।

# 25 जुलाई को धारावाहिक 'वंशज' के लिए शूट करेंगे जय और टीना

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** इसी के लिए शो की नायिका युविका (अंजलि तत्रारी) को महाजन ग्रुप के सफर पर आडियो विजुअल प्रेजेंटेशन बनाने की जिम्मेदारी मिली है। इसी समारोह में अभिनेता जय भानुशाली और अभिनेत्री टीना दत्ता भी नजर आएंगे। दरअसल, शो में कुछ ऐसा दिखाया जाएगा कि शिव और सुरीली (धारावाहिक हम रहे ना रहे हम के नायक और नायिका) महाजन परिवार के करीबी हैं और उन्हें महाजन परिवार के इस समारोह में बतौर मेहमान आमंत्रित किया गया है। जय और अंजली मंगलवार को इस एपिसोड की शूटिंग करेंगे। इसका प्रसारण जल्द ही सोनी सब पर किया जाएगा। कुछ नया करने और लोकप्रियता बढ़ाने के लिए टीवी धारावाहिकों निर्माता कई अलग-अलग प्रयोग करते रहते हैं। ऐसे में कई बार एक ही चैनल पर प्रसारित होने वाले या एक ही प्रोडक्शन के अंतर्गत बनने वाले धारावाहिकों के बीच क्रासओवर भी देखने को मिलता है। मतलब, एक धारावाहिक के कलाकार दूसरे धारावाहिक में अपने पहले धारावाहिक की भूमिकाओं में नजर आए। कुछ ऐसा ही क्रासओवर अब धारावाहिक वंशज और हम रहे ना रहे हम के बीच देखने को मिलेगा। दोनों ही शो का निर्माण स्वास्तिक प्रोडक्शन के अंतर्गत होता है। कहानी कुछ यूं हैं कि वंशज में महाजन ग्रुप के 75 साल पूरे होने का जश्न और 75वीं वर्षगांठ का समारोह मनाया जाना है। जिसके लिए महाजन परिवार में तैयारियां जोरों से चल रही है। कुछ नया करने और लोकप्रियता बढ़ाने के लिए टीवी धारावाहिकों निर्माता कई अलग-अलग प्रयोग करते रहते हैं। ऐसे में कई बार एक ही चैनल पर प्रसारित होने वाले या एक ही प्रोडक्शन के अंतर्गत बनने वाले धारावाहिकों के बीच क्रासओवर भी देखने को मिलता है। मतलब एक धारावाहिक के कलाकार दूसरे धारावाहिक में अपने पहले धारावाहिक की भूमिकाओं में नजर आए।



# दिमाग साफ करो, चीजें साफ दिखेंगी तनुश्री दत्ता ने लगाई ट्रोल्स को फटकार

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** इंटरनेट मीडिया से एक ओर सितारों को अपने प्रशंसकों से जुड़ने का मौका मिलता है,तो



दूसरी तरफ वह कई बार उनकी ट्रोलिंग का शिकार भी बन जाते हैं। हाल ही में अभिनेत्री तनुश्री दत्ता भी कुछ यूजर्स की ट्रोलिंग का शिकार बनीं। लेकिन उन्होंने ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया। इंस्टाग्राम लाइव चैट के दौरान तनुश्री काशी विश्वनाथ मंदिर में जाने को लेकर अपने अनुभवों को बयां कर रही थीं। उन्होंने वहां जो ऊर्जा महसूस की, वह उसे लेकर बात कर रही थीं। तनुश्री ने कहा कि मुझे पसंद है कि मैं अपने अनुभवों को लोगों से साझा करूं ताकि लोग उससे कुछ सीख पाएं। इसी बीच कुछ यूजर्स ने लाइव में कमेंट करके उन्हें भला-बुरा कहना शुरू कर दिया। पहले कुछ वक्त तो उन्होंने उन ट्रोल्स को अनदेखा किया। लेकिन आखिरकार उन्हें जवाब देना पड़ गया। तनुश्री ने ट्रोल्स को डांटते हुए कहा कि यह लाइव मैं उन लोगों के लिए कर रही हूं, जिन्हें मेरी बातें समझ में आएंगी। मुझे आप लोगों के कुछ भी कहने से फर्क नहीं पड़ता है। जीवन में जो करना था, वह मैंने कर लिया है। आगे भी अपने मन की ही करूंगी। मुझे किसी की राय से कोई फ क नहीं पड़ता है। लाइव पर आकर उल्टी-सीधी बातें करना, सितारों को ट्रोल करना यही तो बस एक काम है। हमने अपनी जिंदगी और करियर में बहुत अच्छा काम कर लिया है। अब आसमान छूने की चाहत है। वह भी कर लूंगी। तुम लोग तो बस ट्रोल करते रह जाओगे। ना जिंदगी में कुछ कमाया,ना बैंक बैलेंस बढ़ाया, बस कुछ भी फालतू के कमेंट्स लिख देना आता है। दिमाग को साफ करो, तो चीजें साफ दिखेंगी। इंटरनेट मीडिया से एक ओर सितारों को अपने प्रशंसकों से जुड़ने का मौका मिलता हैतो दूसरी तरफ वह कई बार उनकी ट्रोलिंग का शिकार भी बन जाते हैं। हाल ही में अभिनेत्री तनुश्री दत्ता भी कुछ यूजर्स की ट्रोलिंग का शिकार बनीं। लेकिन उन्होंने ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया। इंस्टाग्राम लाइव चैट के दौरान तनुश्री काशी विश्वनाथ मंदिर में जाने को लेकर अपने अनुभव बता रही थी।

# लोगों में दिखा 'बार्बी' का क्रेज, दुनियाभर में इतनी कमाई, सुनकर उड़ जाएंगे होश

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** हॉलीवुड फिल्म 'बार्बी' का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। इंडिया में बड़े-बड़े में हॉलीवुड फिल्म 'बार्बी' को सिर्फ इंग्लिश भाषा में रिलीज किया गया है। जबकि, ओपेनहाइमर को इंग्लिश के अलावा हिंदी भाषा में भी रिलीज मार्गोट रॉबी और रयान गोस्लिंग स्टारर इस फिल्म की रफ्तार इंडिया में भले ही धीमी हो, लेकिन दुनियाभर में फिल्म ने



स्टार्स बार्बी के रंग में रंगे हुए नजर आ रहे हैं। एक समय था जब हर बच्चे को बार्बी का क्रेज था। अब सबकी चहेती डॉल बार्बी फिल्म के जरिये एक बार फिर से अपनी रंग-बिरंगी दुनिया में ले जाने में कामयाब रही है। इस फिल्म को इंडिया के साथ-साथ दुनियाभर में भी लोगों का भरपूर प्यार मिल रहा है। जानिए ग्रेटा गर्विग के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने अब तक कितनी कमाई की। 21 जुलाई को बॉक्स ऑफिस पर क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'ओपेनहाइमर' से टक्कर लेने वाली की फिल्म इंडिया में भर में तो ठीक-ठाक कमाई कर रही है, लेकिन दुनियाभर में फिल्म की कमाई होश उड़ाने वाली है। इंडिया किया गया। इस फिल्म के जरिये बार्बी और केन दुनियाभर को अपनी कलरफुल दुनिया में लेकर जाने में सफल रहे हैं। पहले दिन इंग्लिश भाषा में 5 करोड़ का बिजनेस करने वाली ग्रेटा गर्विग के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने शनिवार को 6.5 करोड़ और रविवार को 7.13 करोड़ का बिजनेस किया है। इंडिया में बार्बी ने अब तक 18.63 करोड़ का वीकेंड पर बिजनेस किया है। इंडिया में जिस तरह से 'बार्बी' को लेकर लोगों में क्रेज बढ़ रहा है, उसे देखते हुए ये कहना गलत नहीं होगा कि करण जौहर की 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' आने से पहले ये फिल्म अच्छा बिजनेस कर सकती है। वर्ल्डवाइड 'बार्बी' गाड़ रही है सफलता के झंडे 'ओपेनहाइमर' को कमाई के मामले में पीछे छोड़ दिया है। महज तीन दिनों में इस फिल्म ने दुनियाभर में अपनी कमाई से हर किसी को हैरान कर दिया।फिल्म ने वीकेंड तक वर्ल्डवाइड 2050 करोड़ की टोटल कमाई यानी कि 300 मिलियन डॉलर के आसपास कमाई कर ली है, जबकि ओपेनहाइमर महज 165 मिलियन ही वर्ल्डवाइड कमाई कर पाई। आपको बता दें कि ग्रेटा गर्विग के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मार्गोट रॉबी और रयान गोस्लिंग के अलावा सिमू लियू, केट मैकिनॉन, इस्सा राय, रिया पर्लमैन, और विल फेरेल अहम भूमिकाओं में नजर आ रही हैं।

# पलक के साथ फिर दिखे इब्राहिम डेटिंग की खबरों को मिली हवा

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** इंटरनेट मीडिया और मोबाइल फोन के इस दौर में सिनेमा के सितारों का अपने घर से बाहर कुछ भी छिपा कर रख पाना बहुत मुश्किल है। कभी मोबाइल में तस्वीरें कैद हो जाती हैं, तो कभी अलग-अलग लेकिन एक ही सिनेमाघर में एक ही फिल्म देखने पहुंचे थे। पलक अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी हैं। उसके बाद कुछ इंटरव्यू में पलक ने इब्राहिम के साथ अपने रिश्तों को सिर्फ एक अच्छी दोस्ती बताया था। फिर जब




पैपराजी पहुंच जाते हैं। पिछले कुछ महीनों से अभिनेता सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम खान और अभिनेत्री पलक तिवारी के बीच डेटिंग की खबरें थी। पलक अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी हैं। उसके बाद कुछ इंटरव्यू में पलक ने इब्राहिम के साथ अपने रिश्तों को सिर्फ एक अच्छी दोस्ती बताया था। फिर जब शनिवार की रात पलक और इब्राहिम मुंबई में एक ही सिनेमाघर में फिल्म देखने पहुंचे तो दोनों के डेटिंग की खबरों को फिर हवा मिल गई। दोनों शनिवार की रात पलक और इब्राहिम मुंबई में एक ही सिनेमाघर में फिल्म देखने पहुंचे, तो दोनों के डेटिंग की खबरों को फिर हवा मिल गई। दोनों अलग-अलग, लेकिन एक ही सिनेमाघर में एक ही फिल्म देखने पहुंचे थे।हालांकि, दोनों को शायद यह अंदाजा नहीं था कि उन्हें बाहर पैपराजियों का सामना करना पड़ेगा। फिल्म खत्म होने के बाद पलक कैमरों से बचती निकल गई। वहीं इब्राहिम पैपराजियों के साथ काफी विनम्र नजर आएं।

# कला के साथ-साथ पढ़ाई और खेल में भी होशियार रही हैं रुचा फैमिली को लेकर कही ये बात

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** पूत के पांव पालने में दिख जाते हैं, यह कहावत 'क्रिमिनल जस्टिस' और 'द ग्रेट इंडियन मर्डर' वेब सीरीज की अभिनेत्री रुचा इनामदार पर सटीक बैठती है। पढ़ाई-लिखाई में तेज उनका अलग ही मजाकिया व्यक्तित्व निकलकर सामने आता है। मेरी तो पापा के बिना चलती ही नहीं है। डाक्टर होने के अलावा वह कविताएं भी लिखते हैं, इसलिए उनमें चीजों को लेकर संवेदनशीलता भी मैं उनसे किसी



होने के साथ-साथ वह बचपन से ही स्टेज पर परफॉर्म करती और ढेरों पुरस्कार जीतती आई हैं। रुचा हालिया प्रदर्शित फिल्म 'माइनस 31 द नागपुर फाइल्स' में पुलिसकर्मी की भूमिका में नजर आईं। इस फिल्म में पिता-पुत्री के रिश्ते के विभिन्न पहलुओं को दिखाया गया है। से बातचीत में अपने पिता को लेकर रुचा कहती हैं, 'मेरा और मेरे पापा बहुत प्यारा रिश्ता है। वह मुंबई के जे जे अस्पताल में डाक्टर हैं। उन्होंने बहुत दुनिया देखी है, लेकिन जब वह हमारे स्तर पर बात करते हैं, भी बारे में बातें कर सकती हूं।' वहीं अभिनेत्री बनने के सफर को लेकर रुचा बताती हैं कि मैंने तीन साल की उम्र में पहली बार स्टेज पर परफॉर्म किया था। अपने घरवालों के लिए तो मैं स्टेज पर ही पली बढ़ी हूं। पढ़ाई में भी हमेशा फर्स्ट आती थी। अक्सर बच्चे अपने माता-पिता से कहते हैं कि मुझे पढ़ाई नहीं एक्टिंग करनी है, लेकिन मेरे मामले में उल्टा हुआ। मम्मी ने मुझसे कहा कि पढ़ाई तो तुम कर ही लोगी, एक्टिंग तुम्हारा शौक है, तुम्हें इतना पसंद है, तो तुम वही क्यों नहीं करती।

# इंडिया में 3 दिन में 50 करोड़ के पार पहुंची ओपेनहाइमर दुनियाभर में छापे नोट

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** इस वक्त इंडिया में हॉलीवुड फिल्मों का बोलबाला है। जहां करण जौहर की 'रॉकी और इंडिया में दो भाषाओं में रिलीज किया गया। हिंदी में जहां इस फिल्म का बिजनेस ठीक-ठाक रहा, तो वहीं इंग्लिश में इस फिल्म ने वीकेंड पर है। ओपेनहाइमर ने वीकेंड पर इंडिया में टोटल 50 करोड़ के आसपास का बिजनेस कर लिया है, तो वहीं दुनियाभर में इस



रानी की प्रेम कहानी'(ख्झ्ख्)कुछ ही दिनों में सिनेमाघरों में दस्तक देगी, तो वहीं इस वक्त ओपेनहाइमर और बार्बी के बीच कांटे की टक्कर बॉक्स ऑफिस पर देखने को मिल रही है। सिलियन मर्फी और रॉबर्ट डाउनी की जे. रॉबर्ट ओपेनहाइमर पर आधारित इस फिल्म की इंडिया में एडवांस बुकिंग काफी शानदार हुई थी। इतना ही नहीं, शुक्रवार को शानदार ओपनिंग के साथ शुरुआत करने वाली इस फिल्म का वीकेंड काफी अच्छा बीता। क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'ओपेनहाइमर' को धमाल मचा दिया। हिंदी में फिल्म ने पहले दिन 1.75 करोड़ का बिजनेस किया था। वहीं शनिवार को फिल्म ने 2.2 और रविवार को 2.71 करोड़ कमाए।हिंदी भाषा में 'ओपेनहाइमर' का अब तक का टोटल कलेक्शन 6.66 करोड़ हुआ है, तो वहीं इंग्लिश भाषा में 12.75 करोड़ से शुरुआत करने वाली सिलियन मर्फी और रॉबर्ट डाउनी की फिल्म ने शनिवार को 15.05 करोड़ और रविवार को सिंगल डे पर 14.62 करोड़ का बिजनेस कर लिया बायोपिक के लिए लोगों की दीवानगी सिर चढ़कर बोल रही है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड तीन दिन में ही 800 करोड़ की टोटल कमाई कर ली है और इंडिया और दुनियाभर में फिल्म को जिस तरह से प्यार मिल रहा है। उसे देखते हुए ये कहना गलत नहीं होगा कि फिल्म दुनियाभर में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर सकती है। हालांकि, इंडिया में फिल्म को दूसरी लोकप्रिय फिल्म 'बार्बी' टक्कर दे रही है।

## ऋतिक रोशन के बाद मैंने बेचारे वीर दास की इज्जत लूट ली'

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री कंगना रनोट अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर हैं। वह हर मुद्दे पर अपनी राय रखना जानती हैं। हाल ही में, उन्होंने स्टैंड अप कॉमेडियन और एक्टर वीर दास को किस किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही ऋतिक रोशन पर भी तंज कसा है। फिल्म एक्ट्रेस कंगना रनोट ने अभिनेता वीर दास के साथ मूवी रिवॉल्वर रानी में काम किया है। इस फिल्म में कंगना ने वीर दास को किस किया था। एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कंगना के किस की वजह से वीर दास को चोट लग गई थी। अब एक्ट्रेस ने जवाब दिया है। दरअसल, हुआ यूं कि एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कंगना रनोट ने अपनी फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' में एक सीन के लिए वीर दास (ञ्चे ३ं) को किस किया था। इसकी वजह से वीर दास के होंठ से खून भी निकलने लगा था। अब कंगना ने इस दावे पर रिएक्शन दिया।

# रोशन परिवार पर बनेगी डॉक्यूमेंट्री; पर्दे पर दिखेंगी 3 पीढ़ियां कृष 4 को लेकर भी ऋतिक ने दिया नया अपडेट

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**नई दिल्ली।** अगले साल से अभिनेता ऋितिक रोशन पर काम करेंगे। वहीं, रोशन परिवार को लेकर भी नई खबर है।हिंदी फिल्म ऋितिक अपने पिता और निर्माता-निर्देशक, अभिनेता राकेश रोशन के साथ मिलकर हिंदी सिनेमा में रोशन परिवार की तीन पीढ़ियों की विरासत का जश्न मनाने की तैयारी



जगत में कई ऐसे परिवार हैं, जिनकी तीन से ज्यादा पीढ़ियां सिनेमा में अपना योगदान दे चुकी हैं। इसमें रोशन परिवार का नाम भी शामिल है। हाल ही में अभिनेता ऋितिक रोशन ने अपने दादा और संगीतकार रोशन लाल नागरथ की 106वीं जयंती पर उनके लिए भावुक पोस्ट भी लिखा था। अब खबरें हैं कि में हैं। वह रोशन परिवार पर डॉक्यूमेंट्री बना रहे हैं, जिसकी शूटिंग शुरू भी हो चुकी है। राकेश से जुड़े करीबी सूत्रों के अनुसार इस डॉक्यूमेंट्री का निर्माण राकेश स्वयं कर रहे हैं, जबकि इसका निर्देशन सियासत और दोबारा फिल्मों का निर्देशन कर चुके शशि रंजन कर रहे हैं। इस साल के अंत तक या अगले साल की शुरुआत में इसे रिलीज किया जाएगा। डॉक्यूमेंट्री राकेश के पिता रोशन लाल नागरथ के साथ शुरू होगी, जो साल 1947 में बाम्बे (अब मुंबई) आए थे। पिछली सदी के पांचवे और छठवें दशक में उन्होंने खुद को प्रमुख संगीतकारों के बीच स्थापित किया था। इस विरासत को उनके दोनों बेटों राकेश और राजेश रोशन ने आगे बढ़ाया। राकेश ने अभिनय और निर्देशन में जबकि राजेश ने संगीत के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। राकेश के बेटे रितिक बतौर अभिनेता खुद को स्थापित कर चुके हैं, जबकि राजेश की बेटी पश्मीना रोशन फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड से अभिनय में डेब्यू करने की तैयारी में हैं। इस डॉक्यूमेंट्री में रोशन परिवार के साथ काम कर चुके कई सितारों के साक्षात्कार और कुछ पुराने आर्काइव फुटेज होंगे। इसके अलावा राकेश कृष फ्रेंचाइज की चौथी फिल्म पर भी काम कर रहे हैं, जिसकी शूटिंग अगले साल के मध्य से शुरू होने की संभावनाएं हैं। अगले साल से अभिनेता ऋितिक रोशन खेिप् 4 पर काम करेंगे। हिंदी फिल्म जगत में कई ऐसे परिवार हैं जिनकी तीन से ज्यादा पीढ़ियां सिनेमा में अपना योगदान दे चुकी हैं। इसमें रोशन परिवार का नाम भी शामिल है। हाल ही में अभिनेता ऋितिक रोशन ने अपने दादा और संगीतकार रोशन लाल नागरथ की 106वीं जयंती पर उनके लिए भावुक पोस्ट भी लिखा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।